



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 6, 1982/फाल्गुन 15, 1903  
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 6, 1982/PHALGUNA 15, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II) PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1982

का० प्रा० 925—दरगाह ख्वाजा साहिब अधिनियम, 1955 (1955 का 36) की धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के अधीन नाज़िम को उसके कृत्यों के निर्वहन में सलाह देने के प्रयोजन के लिये और ऐसे अन्य प्रयोजनों के लिये जो दरगाह समिति की उप-विधियों में विनिर्दिष्ट किये जायें एक सलाहकार समिति का गठन राजस्थान सरकार के परामर्श से एक वर्ष के लिये करती है जो तुर्क प्रभावी होंगी और निम्नलिखित व्यक्ति इसके सदस्य होंगे —

1. श्रीवान सैयद जैनुल आबहीन अली खा साहिब, राजादनणीत, हजरत ख्वाजा मोहनुद्दीन हसन चिश्ती, अजमेर;
2. श्री मोहम्मद अय्याज महाराज, विधान सभा सदस्य, मसूदा, अजमेर;
3. मोहम्मद याक़ुब साहिब (भतुर्व अध्यक्ष), राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर;
4. श्री इम्तियाज खुरशीद, 558 दरगाह बाजार, अजमेर;
5. श्री मोहम्मद अली जिना, हाकबर मकाना, जिला नागौर;
6. श्री के०डी० गोश्वारी, सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक, अजमेर;
7. श्री नेट अब्दुल करीम अल्लारखा अल्लारखा बिल्डिंग स्टेशन रोड, अजमेर।

[का० सं० 11(3)/76-वक्फ]

असलम महमूद, उपसचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS

(Legislative Department)

New Delhi, the 18th February, 1982

S.O. 925.—In exercise of the powers conferred by section 10 of the Durgah Khawaja Saheb Act, 1955 (36 of 1955) the Central Government in consultation with the Government of Rajasthan, hereby constitutes; with immediate effect, an Advisory Committee for a period of one year for the purpose of Advising the Nazim in the discharge of his functions under the said Act and also for such other purposes as may be specified in the bye-laws of the Durgah Committee, consisting of the following persons, namely :—

1. Dewan Syed Zainul Abedin Ali Khan Sahib, Sajjad-nashin of Hazarat, Khawaja Moinuddin Hassan Chishti, Ajmer;
2. Sri Mohd Aiyaz Maharaj, M.L.A., Masuda, Ajmer;
3. Mohd. Yakub Sahib (Ex-Chairman), Rajasthan Public Service Commission, Ajmer;
4. Shri Imtiaz Khursheed, 558 Durgah Bazar, Ajmer;
5. Shri Mohd Ali Jinnah, P.O. Makrana, Distt. Nagaur;
6. Shri K. D. Goan, Retd. S. P., Ajmer;
7. Sri Seth Abdul Karim Allarakha, Allarakha Building, Station Road, Ajmer.

[F. No. 11(3)/76-Wakf]

ASLAM MAHMUD, Dy. Secy.

**गृह मंत्रालय**

(कानूनी और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1982

का०आ० 926.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्त्वु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मकार, अभिवायी भविष्य निधि नियम, 1980 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कर्मकार अभिवायी भविष्य निधि, संशोधन नियम, 1982 है।

(2) ये 1 मई, 1981 को प्रवृत्त हुए समझे जायेंगे।

2. कर्मकार अभिवायी भविष्य निधि नियम, 1980 की अनुसूची में प्रविष्टि (28) के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अंतःस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“(29) दूरदर्शन, नई दिल्ली स्टेशन इंजीनियर, केन्द्रीय क्रय और भंडार, के कार्यालय के निर्धारित क्रम कर्मचारी।”

**स्पष्टीकारक हापस**

इस संशोधन के द्वारा कर्मकार अभिवायी भविष्य निधि, नियम, 1980 में एक नई प्रविष्टि जोड़ी जा रही है जो दूरदर्शन नई दिल्ली स्टेशन इंजीनियर केन्द्रीय क्रय और भंडार, के कार्यालय के निर्धारित कर्मचारीवृत्त को 1 मई, 1981 से उक्त नियमों की परिधि में ला देगी। इस प्रकार इन नियमों के भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या 21(1)/81-पेंशन]

के० एस० महादेवन, अवर सचिव

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS**

(Department of Personnel and Admn. Reforms)

New Delhi, the 22nd February, 1982

S.O. 926.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Workmen's Contributory Provident Fund Rules, 1980, namely :—

1. (1) These rules may be called the Workmen's Contributory Provident Fund Amendment Rules, 1982.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st May, 1981.

2. In the Schedule to the Workmen's Contributory Provident Fund Rules, 1980, after the entry (xxviii), the following entry shall be inserted, namely :—

“(xxix) Workcharged employees of the Office of the Station Engineer, Central Purchase and Stores Door-darshan, New Delhi.”

**EXPLANATORY MEMORANDUM**

By this amendment a new entry in the Schedule of the Workmen's Contributory Provident Fund Rules, 1980 is being added which shall bring the workcharged staff of the Office of the Station Engineer, Central Purchase and Stores, Door-darshan, New Delhi within the scope of the said rules with effect from 1st May, 1981. As such the interest of no one is prejudicially affected by giving retrospective effect to these rules.

[No. 21(1)/81-Pension]

K. S. MAHADEVAN, Under Secy.

**वित्त मंत्रालय**

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1981

आय-कर

का०आ० 927.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 138 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपखंड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सतर्कता विभाग, बिहार सरकार के पुलिस अधीक्षक की पंक्ति के या उसके ऊपर के प्रत्येक अधिकारी को उक्त खंड के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[स० 4322/का०सं० 225/84/79-आई०टी०ए०-II]

**MINISTRY OF FINANCE**

(Department of Revenue)

New Delhi, the 19th November, 1981

**INCOME-TAX**

S.O. 927.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (1) of section 138 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies for the purposes of the said clause, every officer of or above the rank of Superintendent of Police in the Department of Vigilance, Government of Bihar.

[No. 4322 (F. No. 225/84/79-ITA.II)]

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1981

आय-कर

का०आ० 928.—सबसे साधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2-क) के प्रयोजनों के लिए नीचे विनिर्दिष्ट धनधियों के लिए अनुमोदित किया है।

- |                                |   |
|--------------------------------|---|
| 1. वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना | 1. योजना के 7 केन्द्रों का अध्ययन   |
|                                | 2. निद्रा के रहस्यों पर योग का समाधान   |
|                                | 3. विभिन्न योगिक अभ्यासों के लिए तंत्रविद्याविज्ञानी सह-बढ़नाएं   |
|                                | 4. सृजनात्मक वीक्षकता, प्रज्ञा और मानसिक शक्तियों पर योग का प्रभाव  |
|                                | 5. योग अभ्यासों के दौरान हार्मोनियल प्लानों और मेटा-बौद्धिक सहबढ़नाओं का अध्ययन   |
| 2. प्रायोजन-स्थल               | अपर्ण आश्रम, मंतलाई और अन्य उपयुक्त स्थान   |
| 3. प्रयोजक                     | स्वामी श्रीरेन्द्र ब्रह्मचारी आश्रम के संस्थापक अध्यक्ष, परियोजना का खर्चा, आश्रम द्वारा प्राप्त दानों द्वारा वहन किया जाएगा। |

4. अनुसंधान परियोजना की अवधि सात वर्ष  
आरंभ होने की प्रस्तावित तारीख 1 मितम्बर, 1981  
समाप्त होने की संभावित तारीख 31 अगस्त, 1988
5. सात वर्षों के लिए उपर्युक्त पांच अनुसंधान परियोजना का कुल प्रायस्क-निर्गत व्यय : 21.79 करोड़ रु० (केवल इसकीम करोड़ और उतासी लाख रुपए)

उपयुक्त परियोजना का अनुमोदन निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा :—

- (1) यह कि संगम इन अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्राप्त राशियाँ और उन पर उपगत व्ययों का लेखा, अपर्णा आश्रम के अन्य व्ययों से विभक्त रूप में रखेगा।
- (2) यह कि संगम प्रत्येक वर्ष के लिए इन वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजनाओं का वार्षिक विवरण परिषद् को प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के अधि-कृत किए जाएँ और उसे सूचित किए जाएँ। यह कि संगम प्रत्येक वर्ष के लिए लेखाओं का वार्षिक संपरीक्षित विवरण परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक भेजेगा और इसके अतिरिक्त इसकी एक प्रति सबद्ध आय-कर आयुक्त को भेजेगा।

यह अधिसूचना केवल 1-9-1981 से 24-4-83 तक की अवधि के लिए निधिमान्य होगी क्योंकि वह अवधि, जिसके लिए कि अधिसूचना धारा 35(1)(2) के अधीन प्रभावी है, केवल 24-4-83 तक है (अधिसूचना सं० 3938 तारीख 25-4-1981) अपर्णा आश्रम, नई दिल्ली का आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 35(1)(2) के अधीन अनुमोदन किया गया है, देखिए वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) अधिसूचना सं० 3938 (फा० सं० 203/85/81-आई०टी०ए० II) तारीख 25-4-81

[सं० 4334/फा० सं० 203/188/81-आई०टी०ए० II]

New Delhi, the 24th November, 1981

#### INCOME-TAX

**S.O. 928.**—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved for the period specified below for the purposes of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 by Indian Council of Medical Research, New Delhi.

- |   |   |
|---|---|
| 1. Name of the Scientific Research Project. | 1. Study on 7 Centres of Yoga consciousness.  |
|   | 2. Impact of Yoga on secrets of sleep.  |
|   | 3. Neurophysiological correlates for various yogic practices.   |
|   | 4. Effect of Yoga on creative Intelligence, genius and psychic powers.  |
|   | 5. Study of harmonial plans and metabolic correlates during Yoga practices.   |
| 2. Sponsored at                             | The Apprana Asrama, Mantalai & other suitable places.   |
| 3. Sponsored by                             | Swami Dharendra Brahmachari, Founder President of the Asrama. The cost of the projects will be met out of donations received by the Asrama. |
| 4. Duration of the Project                  | Seven years.  |
| (i) Proposed date of commencement           | 1st September, 1981   |
| (ii) Anticipated date of completion.        | 31st August, 1988   |

5. Total Estimated expenditure : Rs. 21.79 crores. (Rupees twenty one crores and seventy nine lakhs only).  
For all the five aforesaid Spread over for seven years.

The approval for the above mentioned projects will be subject to the following conditions :—

- (1) That the Association will maintain a separate account of the amounts received and expenditure incurred for these research projects as distinct from the expenditure of the Aprana Asrama.
- (2) That the Association will furnish annual returns of these scientific research projects to the Council by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
- (3) That the Association will furnish a copy of the annual audited statement of accounts to the Council by 31st May each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

This notification is valid only for a period from 1-9-1981 to 24-4-83, as the period for which the notification u/s 35(1)(ii) is effective is only upto 24-4-83 (Notification No. 3938 dated 25-4-1981).

The Aprana Asrama, New Delhi has been approved under section 35(1)(ii) of the Income-tax Act, 1961 vide Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification No. 3938 (F. No. 203/85/81-ITA. II) dated 25-4-1981.

[No. 4334/F. No. 203/188/81-ITA.II]

नई दिल्ली 3 दिसम्बर, 1981

का०आ० 929.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिये अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (iii) के प्रयोजनों के लिये निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (i) यह कि संस्थान इस छूट के अधीन संकलित निधि का उपयोग अनन्यतः समाज विज्ञानों में अनुसंधान के प्रोत्थन के लिये करेगा।
- (ii) यह कि संस्थान इस छूट के अधीन उसके द्वारा संग्रहीत निधि का पृथक लेखा रखेगा।
- (iii) यह कि संस्थान प्रत्येक वर्ष के लिये वार्षिक विवरणी और लेखाओं का वार्षिक संपरीक्षित विवरण परिषद् को नियमित रूप से इस छूट के अधीन संग्रहीत निधि और वह रीति जिसमें निधि का उपयोग किया गया है दर्शाते हुए भेजेगा।

संस्था

गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ

यह अधिसूचना 1-4-1980 से 31-3-83 तक पांच वर्ष की अवधि के लिये प्रभावी है।

[सं० 4361/फा० सं० 203/141/81-आई०टी०ए०-II]

New Delhi, the 3rd December, 1981

**S.O. 929.**—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 subject to the following conditions :—

- (i) That such funds collected by the Institute under this exemption shall be utilised exclusively for promotion of research in Social Sciences.

(ii) That the Institute shall maintain a separate accounts of the funds collected by them under this exemption

(iii) That the Institute shall send to the Council Annual Report and audited statement of accounts regularly showing the funds collected under this exemption and the manner in which these funds are utilized

#### INSTITUTION

Gull Institute of Development Studies, Lucknow

This notification is effective for a period of five years from 14 1980 to 31-3 1985.

[No 4361/F No 203/141/81-ITA II]

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर, 1981

का०आ० 930—सर्वसाधारण की जानकारी के लिये यह अधिसूचना किया जाता है कि सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिक विभाग नई दिल्ली ने निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम को आयकर नियम 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2-क) के प्रयोजनों के लिये नीचे विनिर्दिष्ट अवधि के लिए अनुमोदित किया है।

- 1 वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना प्रतिप्रोटोजोआ औषधि और बैक्टीरिया के विवास के लिये पद्धति का मानकीकरण।
- 2 प्रायोजक मैसर्स आरगैनन (इंडिया) लिमिटेड कलकत्ता
- 3 प्रायोजन स्थल जादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता
- 4 अनुसंधान परियोजना पूरी होने की तारीख 1 मार्च, 1982
- 5 अनुसंधान परियोजना आरम्भ होने की तारीख अवधि 1 मार्च, 1981
- 6 प्राक्कलित व्यय 12 हजार रुपये

2 जादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता अधिसूचना सं० 1462 का० सं० 203/91/76-आई०टी०ए०-II तारीख 31 अगस्त, 1976 द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1)(ii) के अधीन अनुमोदित है।

[सं० 4365/का०सं० 203/158/81-आई०टी०ए०-II]  
एम०जी०सी० गोयल, अवर सचिव

New Delhi, the 4th December, 1981

S.O. 930.—It is hereby notified for general information that the following Scientific research programme has been approved for the period specified below for the purpose of sub-section A(2) of the Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6(iv) of the Income-tax Rules, 1962 by the Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi —

1. Scientific Research Standardisation of Methodology Project for the development of anti-protozoal drugs & vaccines.
2. Name of the Sponsorer M/s Organon (India) Ltd., Calcutta.
- 3 Date of Sponsored at Jadavpur University, Calcutta
4. Date of Commencement 1st March, 1981.
- 5 Date of Completion 1st March, 1982
- 6 Estimated Outlay Rs 12,000/-

2. Jadavpur University, Calcutta stands approved under section 35(1) (ii) of the Income-tax Act, 1961 by Notification No 1462 (F. No 203/91/76-ITA II) dated 31st August, 1976.

[No. 4365/F. No 203/158/81-ITA. II]  
M. G. C. GOYAL, Under Secy

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर 1981

#### आयकर

का०आ० 931—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 2700 (का०सं० 203/9/79-आई०टी०ए०-II) तारीख 31-1-1979 के अनुक्रम में सर्व-साधारण की जानकारी के लिये अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था का आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिये 26-12-1979 से तीन वर्ष की और अवधि के लिये अनुमोदित किया है।

#### संस्था

तारीख 26-12-79 से 9-11-81 तक

हेक्सागर कृषि अनुसंधान और विकास फाउंडेशन प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई।

तारीख 10-11-81 से 25-12-82 तक

हेक्सागर कृषि अनुसंधान और विकास फाउंडेशन, मुम्बई।

[सं० 4397/का०सं० 203/9/79-आई०टी०ए०-II]

New Delhi the 26th December, 1981

#### INCOME-TAX

S.O. 931.—In continuation of this Office Notification No 2700 (F No 203/9/79-ITA II) dated 31-1-1979, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Agricultural Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act 1961, for a further period of three years w.e.f 26-12-79

#### INSTITUTION

From 26-12-79 to 9-11-81

Hexamar Agricultural Research and Development Foundation Pvt Ltd Bombay

From 10-11-81 to 25-12-82

Hexamar Agricultural Research and Development Foundation, Bombay

[No 4397/F No 203/9/79-ITA II]

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 1981

का०आ० 932—सर्वसाधारण की जानकारी के लिये अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था का आयकर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिये निम्नलिखित अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान सगम प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है अर्थात् —

(1) यह कि सगम विज्ञान के क्षेत्र निम्नलिखित अनुसंधान के लिये प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक् लेखा रखेगा।

(ii) उक्त सगम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया कलापो की वार्षिक विवरणी परिषद् का प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा/करेगी जो इस प्रयोजन के लिये अधिकृत किया जाये और उसे सूचित दिये जाये।

(iii) उक्त सगम प्रत्येक वर्ष के लिये लेखापत्रा का वार्षिक मपरीक्षित विवरण परिषद् का प्रति वर्ष 31 मई तक भेजेगा और इसके और इसके अनिवार्यतः इस की एक प्रति संबंध आयकर प्रायुक्त को भेजेगा।

#### संस्था

डी यूरोलोजी सर्विसेज सामाव्ही, जयपुर।

यह अधिसूचना 30-9-81 से 29-9-83 तक 2 वर्ष की अवधि के लिये प्रभावी है।

[सं० 4399/का०सं० 203/166/81-आई०टी०ए०-II]

New Delhi, the 28th December, 1981

**S.O. 932.**—It is hereby notified for general information the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific research association" in the field of Medical Research subject to the following conditions —

- (i) That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for medical research
- (ii) That the Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council by 31st May each year at the latest in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose
- (iii) That the Association will furnish a copy of the annual audited statement of accounts to the Council by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner

**INSTITUTION**

The Urology Services Society, Jaipur

The notification is effective for a period of two years from 30-9-1981 to 29-9-1983

[No 4399/F No 203/166/81-ITA II]

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1981

कांआ० 933—सर्वसाधारण की जानकारी के लिये अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली ने निम्नलिखित सस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6(11) के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (11) के प्रयोजना के लिये चिकित्सा अनुसंधान मधान के अन्तर्ग 'वैज्ञानिक अनुसंधान सगम' प्रवर्ग के अधीन निम्न-लिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् —

- (1) यह कि सगम चिकित्सा अनुसंधान के लिये प्राप्त राशियों का पृथक् लेखा रखेगा।
- (2) यह कि सगम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया-कलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयाजन के लिये अधिविधित किये जायें और उसे सूचित किये जायें।
- (3) यह कि सगम प्रत्येक वर्ष के लिये लेखाधारा का वार्षिक संपरीक्षण विवरण परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक भेजेगा और इसके अनिवार्य इसकी एक प्रति सम्बद्ध आय-कर आयुक्त को भेजेगा।

**सस्था**

डालमिया चिकित्सा-अनुसंधान प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 25-8-1981 से दो वर्ष की अवधि के लिये प्रभावी है।

[सं 4401/कां० 203/143/81-आई०टी०ए०-II]

New Delhi, the 29th December, 1981

**S.O. 933.**—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6(ii) of the Income tax Rules, 1962 under the category of "scientific research association" in the field of Medical Research subject to the following conditions —

- (i) That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for medical research

- (ii) That the Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
- (iii) That the Association will furnish a copy of the Annual audited statement of accounts to the Council by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

**INSTITUTION**

Dalma Foundation for Medical Research, New Delhi.

The notification is effective for a period of two years from 25-8-1981.

[No 4401/F. No 203/143/81-ITA. II]

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1981

कांआ० 934—राजस्व विभाग अपनी अधिसूचना सं० 3219 (कां० 203/101/80-आई०टी०ए०-II), तारीख 20-3-1980, सं० 3259 (कां० 203/101/80-आई०टी०ए०-II), तारीख 25-4-80 और सं० 3921 (कां० 203/101/80-आई०टी० ए०-II), तारीख 31-3-1981 का निम्न प्रकार से संशोधन करती है —

प्राक्कलित व्यय प्राक्कलित व्यय

"(1) उपस्कर 80 लाख" के स्थान पर "(i) उपस्कर 160 लाख" पढ़ें।

"(11) कर्मचारिवृन्द 30 लाख" के स्थान पर "(ii) कर्मचारिवृन्द 70 लाख" पढ़ें।

"(111) अन्य मध्ये "10 लाख" के स्थान पर "(111) अन्य मध्ये 40 लाख" पढ़ें।

"(1V) हमारत "30 लाख" के स्थान पर "(1V) हमारत 30 लाख" पढ़ें।

"150 लाख" के स्थान पर "300 लाख"

(केवल एक करोड़ पचास लाख रुपये) "(तीन करोड़ रुपये)"

"परिशेष-6" "परिशेष-6"

(निम्नलिखित से प्रत्याशित दान) के स्थान पर (निम्नलिखित से प्रत्याशित दान)

"(1) मै० बेंनेट कोलमैन एंड क० लिमिटेड मुम्बई I" के स्थान पर "(1) मै० बेंनेट कोलमैन एंड क० लिमिटेड मुम्बई I" पढ़ें।

"(2) मै० लखोटिया एंड संस कलकत्ता के स्थान पर "(2) मै० लखोटिया एंड संस कलकत्ता" पढ़ें।

"(3) मै० मोटर जनरल फार्निंस लि० नई दिल्ली" के स्थान पर "(3) मै० शालीमार तार प्रोडक्ट्स लि० नई दिल्ली" (1935) लि० कलकत्ता" पढ़ें।

(4) मै० एस्कर्ट लि०, दिल्ली

(5) मै० फिलिप्स इंडिया लि०, मुम्बई।

[सं 4402/कां० 203/101/80-आई०टी०ए०-II]

पी० सक्सेना, उप-सचिव

New Delhi, the 30th December, 1981

**S.O. 934.**—The Department of Revenue hereby amends its notification No. 3219 (F. No. 203/101/80-ITA. II), dated 20-3-1980, No. 3259 (F. No. 203/101/80-ITA. II), dated 25-4-1980 and No. 3921 (F. No. 203/101/80-ITA. II) dated 31-3-1981 as under :—

For	Estimated expenditure on	Read	Estimated expenditure on
	Lakhs		Rs. lakhs
(i) Equipment	80	(i) Equipment	160
(ii) Staff	30	(ii) Staff	70
(iii) Other items	30	(iii) Other items	40
(iv) Building	10	(iv) Building	30
	150		300

(Rupees one crore and fifty lakhs only)

(Rupees three crores)

FOR  
Appendix-VI

(donations expected from the following)—

- (1) M/s. Bennet Coleman & Co. Ltd., Bombay.
- (2) M/s. Lakhota & Sons, Calcutta.
- (3) M/s. Motor & General Finance Ltd., New Delhi.
- (4) M/s. Escorts Ltd., Delhi.
- (5) M/s. Philips India Ltd., Bombay.

## READ

## Appendix-VI

(donations expected from the following):

- (1) M/s. Bennet Coleman & Co. Ltd., Bombay.
- (2) Ms. C. Lakhota & Sons, Calcutta.
- (3) M/s. Shalimar Tar Products (1935) Ltd., Calcutta.

[No. 4402 (F.No. 203/101/80-ITA-II)]  
P. SAXENA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1982

## आय-कर

का. आ. 935.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “मराठा मन्दिर” को निर्धारण वर्ष 1978-79 से 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4412/फा. सं. 197/159/79-आ.क. (ए-1)]

New Delhi, the 14th January, 1982

## INCOME-TAX

S.O. 935.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Maratha Mandir” for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1978-79 to 1981-82.

[No. 4412/F. No. 197/159/79-IT(AI)]

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1982

का. आ. 936.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “वि. सी. पी. रामास्वामी अय्यर फाउन्डेशन” को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1982-83 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4421/फा. सं. 197/93/81-आ.क. (ए-1)]

New Delhi, the 21st January, 1982

S.O. 936.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The C. P. Ramaswami Aiyar Foundation” for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 4421/F. No. 197/93/81-IT(AI)]

का. आ. 937.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “जमना लाल बजाज फाउन्डेशन” को निर्धारण वर्ष 1978-79 से 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4422/फा. सं. 197/143/80 आ.क. (ए-1)]

S.O. 937.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Jamnalal Bajaj Foundation” for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1978-79 to 1981-82.

[No. 4422/F. No. 197/143/80-IT(AI)]

का. आ. 938.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “दि लोटस ट्रस्ट” को निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1984-85 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4425/फा. सं. 197/59/81 आ.क. (ए-1)]

S.O. 938.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Lotus Trust” for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1982-83 to 1984-85.

[No. 4425/F. No. 197/59/81-IT(AI)]

का. आ. 939.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80-छ की उपधारा 2(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “श्री मञ्जिलेस्वर और श्री पोंनाचियम्मन् मन्दिर, पेस्तनैयूर” को तमिलनाडु राज्य में सर्वत्र विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं. 4424/फा. सं. 174/96/81 आ.क. (ए-1)]

S.O. 939.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sri Mazhileeswarar and Sri Ponnachiamman Temple, Perunthalaipur, Tamil Nadu” to be a place of public worship of renown throughout the State of Tamil Nadu.

[No. 4424/F. No. 174/94/81-IT(AI)]

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1982

का. आ. 940.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “दि. मिल ओनर्स एसोसिएशन रिलीफ फंड सोसाइटी” को निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1984-85 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4428/फा. सं. 197/161/81 आ.क. (ए-1)]

New Delhi, the 22nd January, 1982

**S.O. 940.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Millowncis' Association Relief Fund Society" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1982-83 to 1984-85.

[No. 4428/F. No. 197/161/81-IT(AI)]

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1982

**फा. आ. 941.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "एसोसिएशन फार हिन्दू धर्मा (रजिस्टर्ड)" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1982-83 से के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4464/फा. सं. 197/190/81 आ. क. (ए-1)]

New Delhi, the 12th February, 1982

**S.O. 941.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Association for Hindu Dharma (Regd.)" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 4464/F. No. 197/190/81-IT(AI)]

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1982

**फा. आ. 942.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खेनाधर शिशु निवास ओ शिक्षा केन्द्र को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1982-83 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4468/फा. सं. 197/197/78-आ. क. (ए-1)]

New Delhi, the 15th February, 1982

**S.O. 942.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Kholaghar Shishu Nivas O Shiksha Kendra" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 4468/F. No. 197/197/78-IT(AI)]

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1982

**फा. आ. 943.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "स्टॉक एक्सचेंज बम्बई" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4470/फा. सं. 197/139(1)/80-आ. क. (ए-1)]

New Delhi, the 16th February, 1982

**S.O. 943.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Stock Exchange, Bombay" for the purpose of the said section for the period covered by assessment years 1979-80 to 1981-82.

[No. 4470/F. No. 197/139(i)/80-IT(AI)]

**फा. आ. 944.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "स्टॉक एक्सचेंज फाउन्डेशन" को निर्धारण वर्ष 1977-78 से 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4471/फा. सं. 197/139 (2)/80-आ. क. (ए-1)]

**S.O. 944.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the Trustees of "The Stock Exchange Foundation" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment year 1977-78 to 1981-82.

[No. 4471/F. No. 197/139(ii)/80-IT(AI)]

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1982

**फा. आ. 945.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "बंगाल सर्विस सोसाइटी" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4447/फा. सं. 197/107/80-आ. क. (ए-1)]

New Delhi, the 19th February, 1982

**S.O. 945.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bengal Service Society" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1981-82.

[No. 4477/F. No. 197/107/80-IT(AI)]

**फा. आ. 946.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "राजस्थान राज्य सिटिजन्स काउंसिल फण्ड" को निर्धारण वर्ष 1965-66 से 1979-80 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4478/फा. सं. 197/192/80-आ. क. (ए-1)]

मिलाप जैन, अवर सचिव

**S.O. 946.**—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Rajasthan State Citizens Council Fund" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1965-66 to 1979-80.

[No. 4478/F. No. 197/192/80-IT(AI)]

MILAP JAIN, Under Secy.

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1982

(रक्षा प्रभाग)

फा.आ. 947—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग (रक्षा प्रभाग) के

रक्षा लेखा विभाग के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिसके कर्मचारीद्वन्द्व ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिमूर्धित करनी है :—

क्रम संख्या	कार्यालयों के नाम
1	2
1.	कार्यालय, रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ।
2.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, कलेमेंट टाउन, देहरादून।
3.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, देहरादून।
4.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, देहरादून।
5.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर, देहरादून।
6.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार इंडियन मिलिटरी एकाइमी, प्रेम नगर, देहरादून।
7.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, प्रेम नगर, देहरादून।
8.	कार्यालय, यूनिट, लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, कलेमेंट टाउन, देहरादून।
9.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, कलेमेंट टाउन, देहरादून।
10.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (बी), लखनऊ।
11.	कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा-परीक्षा आडिट सैल, लखनऊ।
12.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (क) लखनऊ।
13.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर विद्युत् और यांत्रिक (परियोजना) लखनऊ।
14.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार मिलिटरी सप्लाय, लखनऊ।
15.	कार्यालय, क्षेत्रीय लेखा-परीक्षा, सैनिक इंजीनियर सेवा लखनऊ।
16.	कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा, मणस्त्र सेना निकित्वा भंडार डिपो, लखनऊ।
17.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, लखनऊ।
18.	कार्यालय, क्षेत्रीय लेखाकार (मध्य कमान) लखनऊ।
19.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (पूर्व) लखनऊ।
20.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (पश्चिम) लखनऊ।
21.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (स्टोर्स), केन्द्रीय आयुध डिपो, जबलपुर।
22.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी 506 आर्मी बेस वर्कशाप जबलपुर।
23.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, जबलपुर।
24.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, खमरिया, जबलपुर।
25.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, (पूर्व) जबलपुर।
26.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (पूर्व), जबलपुर।
27.	कार्यालय, क्षेत्रीय लेखापरीक्षा सैनिक इंजीनियर सेवा, जबलपुर।
28.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (पश्चिम) जबलपुर।
29.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (व्हीकल फैक्ट्री) परियोजना जबलपुर।
30.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, (पश्चिम) जबलपुर।
31.	कार्यालय, क्षेत्रीय लेखा अधिकारी (मध्य कमान) जबलपुर।
32.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी अतिरिक्त, केन्द्रीय आयुध डिपो, आगरा।
33.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, आगरा।
34.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, खेरिया, आगरा।

1	2
35.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, केन्द्रीय आयुध डिपो, आगरा।
36.	कार्यालय, क्षेत्रीय लेखा अधिकारी (मध्य कमान), आगरा।
37.	कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा 509 आर्मी बेस वर्कशाप, आगरा।
38.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, आगरा।
39.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, आगरा।
40.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, (नामगो), आयुध डिपो, इलाहाबाद।
41.	कार्यालय, अधीक्षक लेखा परीक्षा, 508 आर्मी बेस वर्कशाप, इलाहाबाद।
42.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, इलाहाबाद।
43.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, इलाहाबाद।
44.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (क), इलाहाबाद।
45.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (वायु), बमरौनी। इलाहाबाद।
46.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, (परि), इलाहाबाद।
47.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (ख) इलाहाबाद।
48.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (वायु), गोरखपुर।
49.	कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा, रानीखेत।
50.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, रानीखेत।
51.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, रानीखेत।
52.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, केन्द्रीय आयुध डिपो, छिबकी, इलाहाबाद।
53.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (ख), बरेली।
54.	कार्यालय, क्षेत्रीय लेखा परीक्षा अधिकारी सैनिक इंजीनियर सेवा, बरेली।
55.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (क), बरेली।
56.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, बरेली।
57.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, बरेली।
58.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, (वायु), इज्जन नगर, बरेली।
59.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (परियोजना), बरेली।
60.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर्स अधिकारी, बरेली।
61.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (निरीक्षण), फौजदारी (परियोजना), कानपुर।
62.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (विद्युत् एंड यांत्रिकी) चक्रेरी, कानपुर।
63.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, बैरक्स/रोड, चक्रेरी, कानपुर।
64.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी (बैरक्स)/रोड, चक्रेरी, कानपुर।
65.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, फैक्ट्री, कानपुर।
66.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (1), फैक्ट्री गन फैक्ट्री, कानपुर।
67.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, कानपुर।
68.	कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना, कानपुर।



1	2
69	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (आपूर्ति) केन्द्रीय प्रायुध, डिपो, कानपुर।
70	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (सामान्य वस्त्र निरीक्षणालय) कानपुर।
71	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (विद्युत्/वायु), कानपुर।
72	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (परियोजना) शाह-जहांपुर।
73	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (पूर्व), मेरठ।
74	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (क), मेरठ।
75	कार्यालय, क्षेत्रीय लेखा परीक्षा अधिकारी (सैनिक इंजीनियर सेवा) मेरठ।
76	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, मेरठ।
77	कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा 510 आर्मी बेस वर्कशाप, मेरठ।
78	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (ख), मेरठ।
79	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (परिचय) मेरठ।
80	कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा, वाराणसी कैंट।
81	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, एजेंस, नैनीताल।
82	कार्यालय, यूनिट लेखाकार कमांडर वर्क्स इंजीनियर (परियोजना) फैक्ट्री, नं० 3, इटारसी।
83	कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा, इटारसी।
84	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर कमांडर वर्क्स इंजीनियर (परियोजना), इटारसी नं० 1।
85	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर कमांडर वर्क्स इंजीनियर (परियोजना) फैक्ट्री नं० 2, इटारसी।
86	कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा बैरागढ़, भोपाल।
87	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, भोपाल।
88	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, भोपाल।
89	कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा, फैजाबाद।
90	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, मथुरा।
91	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, मथुरा।
92	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, मथुरा।
93	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (एक), महाराजपुर खालियर।
94	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, खालियर।
95	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, खालियर।
96	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, खालियर।
97	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, रुड़की।
98	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, रुड़की।
99	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, रुड़की।
100	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, बखीना।
101	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, बखीना।
102	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, बखीना।
103	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, पिबोरागढ़।
104	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, सागर।
105	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, सागर।
106	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, सागर।

1	2
107	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, (इन्फैक्ट्री) महु (मध्य प्रदेश)।
108	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, महु।
109	कार्यालय, यूनिट लेखाकार कालेश आफ काम्पेट, महु।
110	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, झांसी।
111	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी झांसी।
112	कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा, फतेहगढ़।
113	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, रायवाला।
114	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, (1) मुरादनगर।
115	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (1), लैन्सडोन।
116	कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा, लैन्सडोन।
117	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर, 871 इंजीनियर वर्क्स मार्फत 58 ए० पी० ए०।
118	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन इंजीनियर (इंजीनियर परियोजना) इलाहाबाद।
119	कार्यालय, रखा लेखा नियंत्रक (प्रशिक्षण) मेरठ।

[संख्या ई०-11011/1/81-हि०]

बी०के० दत्त, महायुक्त वित्तीय सहायक, (स्थापना)

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 17th February, 1982

## DEFENCE DIVISION

S.O. 947.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notify the following Offices of the Defence Accounts Department of the Ministry of Finance, Department of Expenditure, Defence Division, staff where-of have acquired working knowledge of Hindi :—

Sl. No.	Name of Offices
1	2
1.	Office of the Controller of Defence Accounts, Central Command Meerut.
2.	Office of the Local Audit Officer, Clamentown, Dehradun
3.	Office of the Local Audit Officer, Dehradun.
4.	Office of the Unit Accountant, Garrison Engineer, Dehradun.
5.	Office of the Unit Accountant, Barracks Store Officer, Dehradun.
6.	Office of the Unit Accountant, Indian Military Academy, Prem Nagar, Dehradun.
7.	Office of the Unit Accountant, Garrison Engineer, Prem Nagar, Dehradun.
8.	Office of the Unit Accountant, Barracks Store Officer, Clamentown, Dehradun.
9.	Office of the Unit Accountant, Garrison Engineer, Clamentown Dehradun.
10.	Office of the Local Audit Officer (B), Lucknow
11.	Office of the Superintendent Local Audit, Audit Cell, Lucknow.
12.	Office of the Local Audit Officer (A), Lucknow.
13.	Office of the Unit Accountant, Garrison Engineer, Electrical/Mechanical, (Project), Lucknow
14.	Office of the Unit Accountant, Military Estates, Lucknow.
15.	Office of the Regional Audit Officer, Military Engineer, Service, Lucknow.
16.	Office of the Superintendent Local Audit, Medical Stores Depot, Lucknow.

1	2	1	2
17.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Lucknow.	53.	Office of the Local Officer (B), Barrielly.
18.	Office of the Area Accounts Officer (Central Command) Lucknow.	54.	Office of the Regional Audit Officer, Military Engineer Service Barrielly.
19.	Office of the Unit Accountant, Garrison Engineer (East), Lucknow.	55.	Office of the Local Audit Officer (A) Barrielly.
20.	Office of the Unit Accountant, Garrison Engineer (West) Lucknow.	56.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Barrielly.
21.	Office of the Local Audit Officer (Stores) Central Ordnance Depot, Jabalpur.	57.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer Barrielly.
22.	Office of the Local Audit Officer 506 Army Base Workshop, Jabalpur.	58.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (AF) Izzet Nagar, Barrielly.
23.	Office of the Local Audit Officer, Jabalpur.	59.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Project) Officer Barrielly.
24.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Khamaria, Jabalpur.	60.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Barrielly.
25.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer (East) Jabalpur.	61.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (I) Fys (Project), Kanpur.
26.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, (East), Jabalpur.	62.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Electrical/Mechanical) Chhekeri, Kanpur.
27.	Office of the Regional Audit Officer, Military Engineer Service, Jabalpur.	63.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Barracks and Roads) Chhekeri, Kanpur.
28.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, West, Jabalpur.	64.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, (Barracks and Road) Chhekeri, Kanpur.
29.	Office of the Unit Accountant, Garrison Engineer, (Vehicle Factory), Project, Jabalpur.	65.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Factory) Kanpur.
30.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer (West), Jabalpur.	66.	Office of the Unit Accountant, Garrison Engineer (1) Field Gun Factory, Kanpur.
31.	Office of the Area Accounts Officer (Central Command) Jabalpur.	67.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Kanpur.
32.	Office of the Local Audit Officer, Additional Central Ordnance Depot, Agra.	68.	Office of the Superintendent Local Audit (Defence Materials and Stores Research and Development Establishment) Kanpur.
33.	Office of the Local Audit Officer, Agra.	69.	Office of the Local Audit Officer (Supply) Central Ordnance Depot, Kanpur.
34.	Office of the Unit Accountant, Garrison Engineer, Kheria, Agra.	70.	Office of the Local Audit Officer (Inspectorate General Store) Kanpur.
35.	Office of the Local Audit Officer, Central Ordnance Depot, Agra.	71.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Elec./Mech.) Kanpur.
36.	Office of the Area Accounts Officer, Central Command, Agra.	72.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Project), Shahjhapur.
37.	Office of the Superintendent Local Audit 509 Army Base Workshop, Agra.	73.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (East), Meerut.
38.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Agra.	74.	Office of the Local Audit Officer (A) Meerut.
39.	Office of the Unit Accountant, Barracks Store Officer, Agra.	75.	Office of the Regional Audit Officer (Military Engineer Service) Meerut.
40.	Office of the Local Audit Officer (Store) Ordnance Depot Fort, Allahabad.	76.	Office of the Unit, Accountant Barracks Store Officer, Meerut.
41.	Office of the Superintendent Local Audit 508 Army Base Workshop, Allahabad.	77.	Office of the Superintendent Local Audit 510 Army Base Workshop, Meerut.
42.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Allahabad.	78.	Office of the Local Audit Officer (B) Meerut.
43.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Allahabad.	79.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (West) Meerut.
44.	Office of the Local Audit Officer (A), Allahabad.	80.	Office of the Superintendent Local Audit Varanasi Cantt.
45.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (AF) Bamraolly, Allahabad.	81.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer Ajess, Nainital.
46.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Project), Allahabad.	82.	Office of the Unit Accountant Commander Works Engineer (Project) Factory No. 3, Itarsi.
47.	Office of the Local Audit Officers (B), Allahabad.	83.	Office of the Superintendent, Local Audit, Itarsi.
48.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (AF), Gorakhpur.	84.	Office of the Unit Accountant Commander Works Engineer (Project) Itarsi No. 1.
49.	Office of the Superintendent Local Audit, Rani khet.	85.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Commander Works Engineer (Project) Factory No. 2 Itarsi.
50.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Ranikhet.	86.	Office of the Superintendent Local Audit Pergarh.
51.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Ranikhet.	87.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Bhopal.
52.	Office of the Local Audit Officer, Central Ordnance Depot, Cheoki Allahabad.	88.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Bhopal.

1	2
89.	Office of the Superintendent Local Audit, Faizabad.
90.	Office of the Local Audit Officer Mathura.
91.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Mathura.
92.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer Mathura.
93.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (F) Maharajpur Gwalior.
94.	Office of the Local Audit Officer, Gwalior
95.	Office of the Unit Accountant, Barracks Store, Officer, Gwalior.
96.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Gwalior.
97.	Office of the Local Audit Officer, Roorkee.
98.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Roorkee.
99.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Roorkee.
100.	Office of the Unit, Accountant Garrison Engineer, Babina.
101.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Babina.
102.	Office of the Local Audit Officer, Babina.
103.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Pithoragarh.
104.	Office of the Local Audit Officer, Sagar.
105.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer Sagar.
106.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Sagar.
107.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Infantry) Mhow, Madhya Pradesh.
108.	Office of the Local Audit Officer, Mhow.
109.	Office of the Unit Accountant College of Combat, Mhow.
110.	Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Jhansi.
111.	Office of the Local Audit Officer, Jhansi.
112.	Office of the Superintendent Local Audit, Fatehgarh.
113.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Raiwala.
114.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (I) Moradnagar.
115.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (I) Lansdon.
116.	Office of the Superintendent Local Audit, Lansdon.
117.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer 871 Engineer Works C/o 56 APO.
118.	Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Engineer Project) Allahabad.
119.	Office of the Controller of Defence Accounts (Training) Meerut.

[No. E. 11011/1/81-Hindi]

B. K. DUTT, Assistant Financial Adviser (E)

**केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड**

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1982

**आय-कर**

क्रा०आ० 948.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समय समय पर यथा संशोधित अपनी अधिसूचना सं० 679/फा०सं० 187/2/74-आई टी (ए आई) तारीख 20 जुलाई, 1974 से संलग्न अनुसूची का निम्नलिखित संशोधन करती है :—

क्रम सं० (21ग) के सामने स्तम्भ (1), (2) और (3) के अधीन विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएगी :—

अनुसूची			
क्रम सं०	आयकर प्रायुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
1	2	3	4
21ग.	तमिलनाडु-IV	मद्रास	1. वेतन सर्किल-I मद्रास 2. वेतन सर्किल-II, मद्रास 3. प्रतिवाय सर्किल, मद्रास 4. नगर सर्किल-V, मद्रास 5. नगर सर्किल-VI, मद्रास 6. फिल्म सर्किल, मद्रास 7. कंपनी सर्किल-IV, मद्रास 8. विशेष अन्वेषण सर्किल-III मद्रास 9. ताम्रम सर्किल, मद्रास 10. कांचीपुरम सर्किल 11. वेलोर सर्किल

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1982 से प्रभावी होगी।

[सं० 4423/फा० सं० 187/10/81-आई टी (ए० आई०)]

मिलाप जैन, अवर सचिव।

**CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES**

New Delhi, the 21st January, 1982

**INCOME-TAX**

S.O. 948.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following amendments to the schedule appended to its Notification No. 679/F.No. 187/2/74-IT(AI), date the 20th July, 1974 as amended from time to time :—

Existing entries under columns (1), (2) and (3) against Sl. No. 21(C) shall be substituted by the following entries :—

**SCHEDULE**

Sl. No.	Commissioner of Income-tax	Headquarters	Jurisdiction
1	2	3	4
21C	Tamil Nadu-IV.	Madras.	1. Salaries Circle-I, Madras. 2. Salaries Circle-II Madras. 3. Refund Circle, Madras. 4. City Circle-V, Madras. 5. City Circle-VI, Madras. 6. Films Circle, Madras. 7. Companies Circle-IV, Madras. 8. Special Investigation Circle-III, Madras. 9. Tambaram Circle. 10. Kancheepuram Circle. 11. Vellore Circle.

This notification shall take effect from 1st April, 1982.

[No. 4423/F.No. 187/10/81-IT (AI)]

MILAP JAIN, Under Secy.

## वाणिज्य मंत्रालय

(संयुक्त मुख्य निर्यातक आयात तथा निर्यात का कार्यालय)

भारत

मद्रास, 1 फरवरी, 1982

का०आ० 949.—सर्वश्री साउथ इंडिया विस्कोस लिमिटेड, सिरुमुगै पोस्ट, कोयम्बतूर जिला को रुपये 13,70,000 तक गैर अनुमेष फालतू पुर्जों का आयात करने के लिए लाइसेंस संख्या पी-डी-2217578-सी-एक्स एक्स-77-एम-80 दिनांक 5-11-80 जारी किया गया था। उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो जाने के कारण उसका अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए लाइसेंसधारी ने आवेदन किया है। उनसे यह भी कहा गया है कि उपर्युक्त लाइसेंस को मूल्य में रुपये 13,10,584 को छोड़कर रुपये 59,416 का उपयोग कर लिया गया है।

अपने तर्कों के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी इस बात से सन्तुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी/डी-2217578/सी/एक्स एक्स/77/एम-80 दिनांक 5-11-80 की मुद्रा विनियम नियंत्रण की मूल प्रति खो गयी है और आवेदन देता है कि आवेदक को उपर्युक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण की अनुलिपि प्रति जारी किया जाय। लाइसेंस की मूल प्रति एतद् द्वारा रद्द किया जाता है।

मुद्रा विनियम नियंत्रण की अनुलिपि प्रति संख्या पी/डी/2464692 दिनांक 31-12-81 अलग जारी किया जाता है।

[संख्या ए टी सी/डी जी टी डी/307-ए एम-81-ए यू1]

टी०एन० वेंकटेश्वरन, उप मुख्य नियंत्रक आयात तथा निर्यात कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात तथा निर्यात।

## MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports)

## ORDER

Madras, the 1st February, 1982

S.O. 949.—M/s. South India Viscose Ltd., Sirumugai Post, Coimbatore District, were granted licence No. P/D/2217578/C/XX/77/M/80, dated 5th November, 1980 for Rs. 13,70,000 for import of Non-permissible spares. They have requested this office to issue a duplicate copy of the above licence (Exchange Control) which has been lost by them. Further it has been stated by them that the above licence has been lost by them and having been utilised a sum of Rs. 59,416 only leaving a balance of Rs. 13,10,584.

In support of their contention the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original copy of the licence No. P/D/2217578/C/XX/M/80 dated 5th November, 1980 (Exchange Control Copy) has been lost and directs that a duplicate copy of the said licence (Exchange Control) should be issued to them. The original copy of the licence is hereby cancelled.

A duplicate licence (Exchange Control) No. P/D/2464692 dated 31st December, 1981 has been issued separately.

[No. ITC/DGTD/307/AM-81/AU. I]

T. N. VENKATESWARAN, Dy. Chief Controller Imports and Exports for Jt. Chief Controller of Imports and Exports.

## विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1982

का०आ० 950.—राजनयिक तथा कौंसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41 वां) के खंड 2 की धारा (क) के अनुसरण में केन्द्र सरकार, इसके द्वारा भारत का प्रधान कौंसल-वास, ओडेसा में सहायक श्री एम० एल० भरोड़ा, को श्री एम० एल० राजपाल, निजी सहायक की छुट्टी से वापसी के बाद कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[फाइल सं० टी० 4330/2/82]

## MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 16th February, 1982

S.O. 950.—In pursuance of the clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948) the Central Government hereby authorise Shri M. L. Arora Assistant in the Consulate General of India, Odessa to perform the duties of a Consular Agent after return of Shri M. L. Rajpal, P.A. from leave.

[File No. T/4330/2/82]

का०आ० 951.—राजनयिक तथा कौंसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41 वां) के खंड 2 की धारा (क) के अनुसरण में केन्द्र सरकार, इसके द्वारा भारत का हाई कमिशन, लिलोंग्वे (मलावी) में सहायक श्री पी० एम० मेनन, को तत्काल से कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[[फाइल सं० टी० 4330/2/82]

जे० हजारी, भवर सचिव

S.O. 951.—In pursuance of the clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948) the Central Government hereby authorise Shri P. M. Menon Assistant in the High Commission of India, Lilongwe (Malawi) to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect.

[File No. T/4330/2/82]

J. HAZARI, Under Secy.

## पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1982

का०आ० 952.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में मथुरा से जलन्धर (पंजाब) तक पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए पाईप लाइन इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वाचक अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद् द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मथुरा जलन्धर पाईप लाइन प्रोजेक्ट, को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनबार्द व्यक्तिश हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा प्रजित क्षेत्र की सूची जिनमें से पाश्चपलाइत विधानों है।

तहसील सुधियाना

जिला सुधियाना।

क्रमांक	नाम ग्राम	खसरा नं०	है०	ऐ०	ब०मी०	सरकार/विभाग
1	2	3	4	5	6	7
1. सलेमपुर ह० न० 33		8/10 मिन	00	10	63	स्थानीय प्रशासन (लोकल बाडी शामिलान)
		11/1 मिन	00	04	05	
		12/1 मिन	00	08	60	
		12/2 मिन	00	07	08	
		13/2 मिन	00	00	25	
		18/1 मिन	00	04	04	
		18/2 मिन	00	09	61	
		19 मिन	00	01	77	
		23/3 मिन	00	00	51	
		24 मिन	00	06	32	
2. गारवा ह० न० 35		3/11 मिन	00	06	58	केन्द्रीय सरकार (टमाटर बीज कामे)
		12 मिन	00	02	28	
		18 मिन	00	04	30	
		19 मिन	00	12	40	
		20 मिन	00	00	00	
		23 मिन	00	09	87	
		24 मिन	00	06	32	
		6/4 मिन	00	08	10	
		5 मिन	00	08	35	पञ्जाब सरकार वन विभाग
		6 मिन	00	04	81	
3. हैदर नगर ह० न० 34		2/19 मिन	00	03	79	
		22 मिन	00	09	61	
		23 मिन	00	02	02	केन्द्रीय सरकार
		13/2 मिन	00	02	28	
		3 मिन	00	08	85	
		8 मिन	00	10	37	
		13 मिन	00	10	37	
		18 मिन	00	10	37	
		23/2 मिन	00	10	63	केन्द्रीय सरकार
		24 मिन	00	00	51	
		16/3 मिन	00	03	79	
		4 मिन	00	04	55	
		7 मिन	00	08	85	
		14 मिन	00	05	31	
		15 मिन	00	11	13	
		16 मिन	00	03	04	
		17/19 मिन	00	00	51	
		20 मिन	00	13	16	
		21 मिन	00	01	01	
		22 मिन	00	13	91	
		23 मिन	00	01	52	
		24/11 मिन	00	06	83	
		19 मिन	00	08	60	
		20 मिन	00	06	83	
		22 मिन	00	05	57	
		23 मिन	00	11	13	
		25/2 मिन	00	00	25	
		3 मिन	00	13	11	

1	2	3	4	5	6	7
		4 मिन	00	02	78	
		6 मिन	00	05	06	
		7 मिन	00	11	13	
		15 मिन	00	09	36	
		30/3 मिन	00	03	54	
		4 मिन	00	12	65	
		5 मिन	00	00	00	
		6 मिन	00	13	66	
		7 मिन	00	01	77	
		15 मिन	00	00	76	
		31/10 मिन	00	00	76	
		11 मिन	00	06	07	
		48 मिन	00	00	51	
		46 मिन	00	04	30	पंजाब सरकार
		47 मिन	00	00	51	पी० डब्ल्यू० विभाग

[सं० 12020/1/82-प्र०]

### MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZER

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 15th February, 1982

**S.O. 952.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum products from Mathura in Uttar Pradesh to Jullundur in Punjab pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the Schedule annexed here to;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Mathura-Jullundur Pipeline 705, Mola Singh Nagar, Jullundur (Pb).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by the legal practitioner.

### DETAILS OF THE AREA OWNED BY CENTRAL/STATE GOVT./LOCAL BODY THROUGH WHICH PIPELINE HAS TO PASS TEHSIL LUDHIANA DISTT. LUDHIANA

S. No.	Name of Vill. with H.B. No.	Khasra No.	HR	AR	SR	Deptt./Govt.
1	2	3	4	5	6	7
1.	Salempur H.No. 33	8/10 Min	00	10	63	Local Body (Shamilat)
		11/1 Min	00	04	05	
		12/1 Min	00	08	60	
		12/2 Min	00	07	08	
		13/2 Min	00	00	25	
		18/1 Min	00	03	04	
		18/2 Min	00	09	61	
		19 Min	00	01	77	
		23/3 Min	00	00	51	
		24 Min	00	06	32	
2.	Garcha H.No. 35	3/11 Min	00	06	58	Central Govt. (Potatos seed Farm)
		12 Min	00	02	28	
		18 Min	00	04	30	
		19 Min	00	12	40	
		20 Min	00	00	00	
		23 Min	00	09	87	
		24 Min	00	06	32	
		6/4 Min	00	08	10	Punjab Govt. Forest Deptt.
		5 Min	00	08	35	
		6 Min	00	04	81	

1	2	3	4	5	6	7
3. Haidar Nagar H No. 34	2/19 Min		00	03	79	Central Government
	22 Min		00	09	61	
	23 Min		00	02	02	
	13/2 Min		00	02	28	
	3 Min		00	08	85	
	8 Min		00	10	37	
	13 Min		00	10	37	
	18 Min		00	10	37	
	23/2 Min		00	10	63	Central Government
	24 Min		00	00	51	
	16/3 Min		00	03	79	
	4 Min		00	04	55	
	7 Min		00	08	85	
	14 Min		00	05	31	
	15 Min		00	11	13	
	16 Min		00	03	04	
	17/19 Min		00	00	51	
	20 Min		00	13	16	
	21 Min		00	01	01	
	22 Min		00	13	91	
	23 Min		00	01	52	
	24/11 Min		00	06	83	
	19 Min		00	08	60	
	20 Min		00	06	83	
	22 Min		00	05	57	
	23 Min		00	11	13	
	25/2 Min		00	00	25	
	3 Min		00	13	41	
	4 Min		00	02	78	
	6 Min		00	05	06	
	7 Min		00	11	13	
	15 Min		00	09	36	
	30/3 Min		00	03	54	
	4 Min		00	12	65	
	5 Min		00	00	00	
	6 Min		00	13	66	
	7 Min		00	01	77	
	15 Min		00	00	76	
	37/10 Min		00	00	76	
	11 Min		00	00	07	
	48 Min		00	00	51	
	46 Min		00	04	30	Pb. Govt. P.W. Deptt
	47 Min		00	00	51	

[No. 12020/1/82-Prod.]

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1982

का०अ० 953—यत. पेट्रोलियम और खनिज पार्सल लाहन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्शन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अर्शन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन तथा उर्वरक मन्त्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० अ० सं० 2766 तारीख 10/10/81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पार्सल लाहन को विछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः राक्षस प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अर्शन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है, कि अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पार्सल लाहन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फटिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० में सभी आघातों से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

## अनुसूची

उरण टर्मिनल से बीपक, फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० सहजोजा तक पार्श्व लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : महाराष्ट्र	जि० : रायगड	तालुका : करण	क्षेत्र	मोटर्स
गांव	सर्वेक्षण नंबर			
मासई	112	1		68-00
	113	1 ए		4-00
		1 बी—2		44-00
		5		8-00
	114	--		52-00
	116	1		82-00
		2		70-00
		3		42-00
		4		44-00
	117	1		28-00

[नं० 12016/44/31-प्रोड-I]

New Delhi, the 17th February, 1982

**S.O. 953.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum), S.O. No. 2766 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Talaja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel	
Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Meters
Jasai	112	1	68.00
	113	1A	04.00
		1B—2	44.00
		5	8.00
	114	—	52.00
	116	1	82.00
		2	70.00
		3	42.00
		4	44.00
	117	1	28.00

[No. 12016/44/81-Prod. I]

**का०आ० 954.**—यत पेट्रोलेियम और अग्निज पार्श्वलाइन (भूमि के के उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलेियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलेियम विभाग) की अधिसूचना का०आ० सं० 2767 तारीख 10/10/1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाह्य-लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए, अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और भागे, अतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब धन उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचि में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पार्श्व लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए डीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० की सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

## अनुसूची

उरण टर्मिनल से बीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० सहजोजा तक पार्श्वलाइन बिछाने के लिए

राज्य : महाराष्ट्र	जिला : रायगड	तालुका : पनवेल	क्षेत्र	स्कके० मोटर्स
गांव	सर्वेक्षण नं०			
वहाल	जंगल	--		152.00
		421	2	22.00
			3	40.00
			6	36.00
	संरक्षक	--		592.00

[नं० 12016/44/81-प्रोड-II]

**S.O. 954.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum), S.O. No. 2767 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;



And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Talaja.

State : Maharashtra District : Raigad Taluka : Panvel

Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Meters
Vahal	Forest 421	—	152.00
		2	22.00
		2	40.00
		6	36.00
	Road	—	592.00

[No. 12016/44/81-Prod. II]

कां०आ० 955—यत् पेट्रोलीयम और खनिज पाईपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलीयम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलीयम विभाग) की अधिसूचना कां०आ०सं० 2772 तारीख 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए, अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे अतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि० के क्षेत्रीकरण से सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

#### अनुसूची

उरण टर्मिनस से दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि० ससोजा तक पाइप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य	महाराष्ट्र	जिला	रायगड	तासुका	पनवेल
गांव	मर्वेक्षण नंबर	क्षेत्र	स्क्वे० मीटर्स		
बम्बावी	69	—	332.00		
	58	—	12.00		
	67	—	36.00		
	62	—	58.00		
	61	—	46.00		

1	2	3	4
बम्बावी	60	—	110.00
	52	1 ए	58.00
		1 बी	30.00
	53	6	16.00
		3	84.00
		4 ए	52.00

[नं० पी० 12016/47/81-प्रा० II]

S.O. 955.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum), S.O. No. 2772 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;

of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Talaja.

State : Maharashtra District : Raigad Taluka : Panvel

Village	S.No	H.No.	Area Sq. Metres
Bambavi	69	—	332.00
	58	—	12.00
	67	—	36.00
	62	—	58.00
	61	—	46.00
	60	—	110.00
	52	1A	58.00
		1B	30.00
	53	6	16.00
		3	84.00
		4A	52.00

[No. P.12016/47/81-Prod. II]

का०आ० १५६.—यतः पेट्रोलियम और खनिज मारपन्नाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ०स० 2773 तारीख 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईपलाईन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः मन्त्रम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे अतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अथ अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे, उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० के सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से गिनाई जाये।

#### अनुसूची

उरण टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० समोरा तक पाईपलाईन बिछाने के लिए।

राज्य : महाराष्ट्र	जिला : रायगढ़	तालुका : पनवेल
गांव	सर्वेक्षण नंबर	क्षेत्र स्वच्छे० मीटर्स
कालुंद्रे	रेल	112.00
		81.00
		224.00
		164.00
		66.00
		66.00
		32.00
		106.00
		48.00
		48.00
		444.00
बम्बई-पूना सहय रेल		50.00
		136.00
		120.00
		208.00
		160.00
		136.00

[नं० पी-12016/47/81-प्रोड०]

S.O. 956.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum), S.O. No. 2773 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of

right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Talaja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel
Village	S.No.	H.No.
		Area Sq. Meters
Kalundre	Rail	112.00
		84.00
		224.00
		164.00
		66.00
		66.00
		32.00
		106.00
		48.00
		48.00
		444.00
	Bombay	
	Poonaa	50.00
	Road	136.00
	Rail	120.00
		208.00
		160.00
		136.00

[No. P.12016/47/81-Prod.]

का०आ० १५७.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ०स० 2774 तारीख 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः मन्त्रम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, अतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाना है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि० के सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

#### अनुसूची

उरण टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि० समोजा तक पाईपलाइन बिछाने के लिये

राज्य	महाराष्ट्र	जिला	रायगड	तालुका	पनवेल
गांव		सर्वेक्षण नम्बर		क्षेत्र	स्कवे मीटर्स
कोपर		रेल		168 00	72 00

[स० 12016/48/81-प्रोड० I]

**S.O. 957.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum), S.O. No. 2774 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd free from encumbrances

#### SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd, Talaja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel
Village	S.No.	H.No.
		Area
		Sq. Meters
Kopar	Rail	—
		168.00
		62 00

[No. 12016/48/81-Prod. I]

का० आ० 957—यतः पेट्रोलियम और पाईपलाइन (अभि० के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 वा-30)

की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ० न० 2775 तारीख 10/10/1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अब नक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे अतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाना है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फर्टिलाइजर्स पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि० के से सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

#### अनुसूची

उरण टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन समोजा तक पाईपलाइन बिछाने के लिए

राज्य	महाराष्ट्र	जिला	रायगड	तालुका	पनवेल
गांव		सर्वेक्षण नम्बर		क्षेत्र	स्कवे मीटर्स
पागावा		रेल		160 00	220.00
					124 00
					148 00

[न० 12016/48/81-प्रोड०-II]

**S.O. 958.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum), S.O. No. 2775 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Talaja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel	
Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Meters
Pargaon	Rail	—	160.00 220.00 124.00 148.00

[No. 12016/48/81-Prod. II]

का०आ० 959.—यत् पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम-और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2780 तारीख 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत् केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप लाइन बिछाने के लिए एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० के सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

## अनुसूची

उरण टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० तालोजा तक पाईप लाइन बिछाने के लिये

राज्य महाराष्ट्र	जिला रायगड	तालुका पनवेल	
			क्षेत्र
गांव	सर्वेक्षण नंबर		रकबे मीटर्स
टेम्बोडे	सड़क		1310.00

[सं० 12016/51/81-प्रोड०-1]

S.O. 959.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2780 dated 10-10-1981 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in

the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation, Ltd Talaja

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel	
Village	S.No	H.No	Area Sq. Metres
Tembhode	Road	—	1310 00

[No. 12016/51/81-Prod.I]

का०आ० 960.—यत् पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2781 तारीख 10/10/1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत् केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप लाइन बिछाने के प्रयोग के लिए एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० के सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

**अनुसूची**

उरण टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन  
लि० तलोजा तक पाइपलाइन बिछाने के लिये

राज्य	महाराष्ट्र	जिला	रायगड	तालुका	पनवेल
गांव	सर्वेक्षण नंबर	स्क्वे०	मीटर्स		
कनकला	सडक			1506	00

[स० 12016/51/81-प्रोड०-II]

**S.O. 960.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2781 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

**SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd, Talaja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel
Village	S No.	H No.
		Area
		Sq Metre
Valavali	Road	1506 00

[No 12016/51/81-Prod. II]

का० अ० 961—यत पेट्रोलिएम और खनिज पार्श्वलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलिएम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलिएम विभाग) की अधिसूचना का० अ० न० 2782 तारीख 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार न उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पार्श्वलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आग्रह घोषित कर दिया था।

और तब सनम प्राधिकारी न उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे रही है।

और आगे, यत केन्द्रीय सरकार न उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पार्श्व लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० के सभी शाखाओं में मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

**अनुसूची**

उरण टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन  
लि० तलोजा तक पाइपलाइन बिछाने के लिये

राज्य	महाराष्ट्र	जिला	रायगड	तालुका	पनवेल
गांव	सर्वेक्षण नंबर	स्क्वे०	मीटर्स		
पालबुद्रुक	सडक			1744	00
	7		1	40	00
	8	1 से 4	पॉइंट	16	00

[स० 12016/52/81-प्रोड० I]

**S.O. 961.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2782 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline,

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances

**SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd, Talaja

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel
Village	S No	H No
		Area
		Sq. Metres
Palebudruk	Road	1744 00
	7	1 pt
	8	1 to 4 pt
		16 00

[No 12016/52/81-Prod II]

का० जा० 962.—यत्. पेट्रोलेियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 के उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलेियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलेियम विभाग) की अधिसूचना का० जा० सं० 2783 तारीख 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना अधिकार घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत्. केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फटिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० के सभी प्राधायों से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

#### अनुसूची

उत्तम टमिनल से दीपक फटिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० नवोजा तक पाइपलाइन बिछाने के लिये

राज्य : महाराष्ट्र	जिला : रायगड	तालुका : पनवेल	क्षेत्रफल
गांव	सर्वेक्षण नं०	स्क्वे० मीटर	
हेडुतने	सड़क	--	252.00
	4 पीटी	--	10.00
	नदी	--	48.00

[सं० 12016/52/81-प्रोड०-II]

S.O. 962.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2783 dated 10-10-1981 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs

that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., free from encumbrances

#### SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Talaja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel	
Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Metre
Hedutane	Road	--	252.00
	4 pt	--	10.00
	River	--	48.00

[No. 12016/52/81-Prod. II]

का० जा० 963.—यत्. पेट्रोलेियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलेियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलेियम विभाग) की अधिसूचना का० जा० सं० 2784 तारीख 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना अधिकार घोषित कर दिया था।

और अतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत्. केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फटिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० के सभी प्राधायों से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

#### अनुसूची

उत्तम टमिनल से दीपक फटिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० नवोजा तक पाइपलाइन बिछाने के लिये

राज्य : महाराष्ट्र	जिला : रायगड	तालुका : पनवेल	क्षेत्रफल
गांव	सर्वेक्षण नं०	स्क्वे० मी०	
दापोली	रेल	--	148.00
			728.00
			482.00
			20.00

[सं० 12016/53/81-प्रोड०-I]

S.O. 963.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2784 dated 10-10-1981 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in

land). Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Talaja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel
Village	S.No.	H.No.
		Area Sq. Metres
Dapoli	Rail	148.00
		728.00
		482.00
		20.00

[No. 12016/53/81-Prod. I]

का०आ० 964—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ० सं० 2785 तारीख 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० के सभी वाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

#### अनुसूची

उरण टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० तलोजा तक पाइपलाइन बिछाने के लिये

राज्य : महाराष्ट्र	जिला : रायगड	तालुका : पनवेल
गांव	सर्वेक्षण नं०	क्षेत्र स्क्वे० मीटर्स
कुंडवहाल	रेल	248.00
		172.00
		208.00
		272.00
		102.00
		120.00
		140.00
		88.00
	73	1 30.00

[सं० 12016/53/81-प्रोड० II]

S.O. 964.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2785 dated 10-10-1981 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Talaja.

State : Maharashtra	District : Raigad.	Taluka : Panvel
Village	S.No	H.N.
		Area Sq. Metres
Kundewahal	Rail	248.00
		172.00
		208.00
		272.00
		102.00
		120.00
		140.00
		88.00
	73	1 30.00

[No. 12016/53-/81-Prod. II]

नई दिल्ली, 22 फरवरी 1982

का० आ० 965.—यत् पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2776 तारीख 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, अतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० के सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

## अनुसूची

उत्तम टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० तालोजा तक पाइपलाइन बिछाने के लिये।

राज्य—महाराष्ट्र	जिला—रायगड	तालुका—पन्वेल	क्षेत्र
गाव	सर्वेक्षण नंबर	एच० नं०	स्क्वे० मीटर्स
करानजदे	रेल	--	28 00
			216 00
			176 00
			556 00
			272 00
			420 00
			724 00
			72 00

[नं० पी० 12016/49/81-प्रोड०]

New Delhi, the 22nd February, 1982

**S.O. 965.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2776, dated 10-10-1981 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Talaja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel
Village	S.No.	H.No.
		Area
		Sq. Metres
Karanjade	Rail	28.00
		216.00
		176.00
		556.00
		272.00
		420.00
		724.00
		72.00

[No. P. 12016/49/81 Prod.]

का० आ० 966.—यत् पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2777 तारीख 10 अक्टूबर, 1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे अतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० के सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।



## अनुसूची

उरण टर्मिनल बीपक से फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० तलोजा तक पाईपलाइन बिछाने के लिये।

राज्य : महाराष्ट्र	जिला : रायगड	तालुका : पनवेल	
गांव	सर्वेक्षण नम्बर	एच न०	क्षेत्र स्क्वे० मीटर्स
वडघर	रेल	—	608.00 506.00 88.00

[नं० पी० 12016/49/81-प्रोड०]

S.O. 966.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2777, dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report, to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Talaja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel	
Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Metres
Vadghar	Rail	—	608.00 506.00 88.00

[No. P. 12016/49/81-Prod.]

का० आ० 967.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०अ० सं० 2770 तारीख 10 अक्टूबर, 1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उन अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और जब उक्त प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

1353 GI/81—4

और धागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और धागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए बीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० के सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

## अनुसूची

उरण टर्मिनल से बीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० तलोजा तक पाईपलाइन बिछाने के लिये

राज्य : महाराष्ट्र	जिला : रायगड	तालुका : पनवेल	
गांव	सर्वेक्षण नम्बर	एच न०	क्षेत्र स्क्वे० मीटर्स
पाडेघर	सड़क	—	144.00
	रेल	—	46.00
	30-ए	4	18.00
	31	2	94.00
		4+5+6	318.00
	45-बी	—	66.00
	19-बी	—	4.00
	19-ई	—	68.00
	19-ए	1	10.00
		2	8.00
	19-डी	—	34.00
	19-ई	—	16.00
	13-डी	1	68.00
	13-ई	1	36.00
		2	30.00
	14	1	28.00
		2	24.00

[नं० 12016/46/81-प्रोड-I]

S.O. 967.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2770 dated 10-10-1981 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, in the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Talaja.

State : Maharashtra	District : Raigad		Taluka : Panvel
Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Metres
Padeghar	Road	—	144.00
	Rail	—	46.00
	30-A	4	18.00
	31	2	94.00
		4+5+6	318.00
	45-B	—	66.00
	19-B	—	4.00
	19-E	—	68.00
	19-A	1	10.00
		2	8.00
	19-D	—	34.00
	19-E	—	16.00
	13-D	1	68.00
	13-E	1	36.00
		2	30.00
	14	1	28.00
		2	24.00

[No. 12016/46/81-Prod. I]

क्र० आ० 968—यत् पेट्रोलेियम और खनिज पार्श्वलाहन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलेियम और रसायन तथा उर्वरक मन्त्रालय (पेट्रोलेियम विभाग) की अधिसूचना क्र० अ० स० 2771 तारीख 10 अक्टूबर 1982 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पार्श्वलाहन की बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः संक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे अतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पार्श्व लाहन बिछाने के प्रयोजन के लिए एवम् द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्वचन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० के सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निश्चित होगा।

अनुसूची

उरण टर्मिनल दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० तलोजा तक पार्श्वलाहन बिछाने के लिए

राज्य	महाराष्ट्र	जिला	रायगड	तालुका : पनवेल
गांव	सर्वेक्षण न०	एच० न०	क्षेत्र स्क्वे०मीटर्स	
पनवेल	रेल	—	104.00	
			884.00	
			136.00	
			124.00	
			180.00	
			40.00	
			444.00	
			50.00	
			142.00	
			322.00	
			32.00	
			6.00	
			16.00	
			238.00	
			40.00	

[न० 12016/46/81-प्रोड-II]

टी. एन. परमेश्वरन, अवर सचिव

S.O. 968.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2771 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Talaja.

State : Maharashtra		District : Raigad		Taluka : Panvel	
Village	S.No.	H.No.	Area		
			Sq. Metres		
Panvel	Rail	—	104.00		
			884.00		
			136.00		

1	2	3	4
			124.00
			180.00
			40 00
			444.00
			50.00
			142.00
			322.00
			32.00
			6.00
	299	1-A	16.00
	Rail	—	238 00
			40.00

[No. 12016/46/81-Prod. II]  
T.N. PARMESWARAN, Under Secy

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1982

का०आ० 969.—इस मंत्रालय की दिनांक 24 जनवरी, 1981 कि समन्वयक अधिसूचना में प्रांशिक रूप से संशोधन करते हुए और तेल उद्योग (विकास) अधिनियम, 1974 (1974 का 47) के खण्ड 3 के उप-खण्ड (3) और (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा तेल उद्योग विकास बोर्ड में तत्काल से निम्नलिखित नियुक्तियाँ करती है जिनके नाम हैं:—

1. श्री पी० शिव शंकर अध्यक्ष  
पेट्रोलियम, रसायन और और (श्री पी० सी० सेठी के स्थान पर)  
उर्वरक मंत्री
2. डा० जी० जयरामा राव, सदस्य (श्री टी० एस० नायर के स्थान पर)  
सलाहकार (शोधनशालाएं) पेट्रोलियम विभाग पर) पेट्रोलियम विभाग को प्रति-  
निधित्व करने के लिए नियुक्ति की गई है।

3. श्री आर० वेंकटेशन, सदस्य (श्री एस० एन० खोसला के स्थान पर)  
वित्त मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्ति की गई है।
4. डा० पी० के० नारायणास्वामी सदस्य (डा० एम० वरदाराजन के स्थान पर)  
प्रमुख एवं प्रबन्ध निदेशक निगमों का प्रतिनि-  
धित्व करने के लिए नियुक्ति की गई है।

[स० 7/1/81-वित्त(II)]

राजेश्वर सेन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th February, 1982

S.O. 969.—In partial modification of this Ministry's notification of even number dated the 24th January, 1981 and in exercise of the powers conferred by sub-section (3) and sub-section (4) of section 3 of the Oil Industry (Development) Act, 1974 (47 of 1974), the Central Government hereby makes with immediate effect, the following appointments to the Oil Industry Development Board, namely :

1. Shri P. Shiv Shankar, Chairman  
Minister of Petroleum, (vice Shri P.C. Sethi).  
Chemicals & Fertilizers.
2. Dr. G. Jayarama Rao Member (appointed to re-  
Adviser (Refineries), present the Deptt. of Petroleum  
Department of Petroleum (vice Shri T.S. Nayar).
3. Shri R. Venkatesan, Member (appointed to re-  
Financial Adviser, present the Ministry of  
Department of Petroleum Finance vice Shri S.L.  
Khosla).
4. Dr. P.K. Narayanaswamy, Member (appointed to re-  
Chairman & Managing present Corporations vice  
Director, Indian Petro- Dr. S. Varadarajan).  
chemical Corp. Ltd.

[No. 7/1/81-Fin. II]

RAJESHWAR SEN, Desk Officer.

### ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1982

का० आ० 970.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपायय अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अधिप्राप्त किए जाने की संभावना है,

प्रतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उसमें कोयले का पूर्वक्षण करने के अपने भाष्य की सूचना देती है ;

2. इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण सेंट्रल कोलकील्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) वरधंगा हाउस, रांची के कार्यालय में या उपायुक्त हजारीबाग (बिहार) के कार्यालय में प्रथम कोयला मियंत्रक, 1 काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, वाटों और अन्य वस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर राजस्व अधिकारी सेंट्रल कोलकील्स लिमिटेड, वरधंगा हाउस, रांची को भेजेंगे।

### अनुसूची

हुदुगडग ब्लॉक  
(रामगढ़ कोयला क्षेत्र)  
(बिहार)

रेखांक सं० राजस्व/94/81

तारीख 10-11-1981

(जिसमें पूर्वक्षण किए जाने के लिए भूमिदर्शित की गई है)

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियाँ
1.	हुदुगडग	रामगढ़	156	हजारीबाग	75.75	भाग
2.	तेवारडग	रामगढ़	158	हजारीबाग	166.90	भाग
3.	खोरवा	गोला	14	हजारीबाग	5.35	भाग
		कुल क्षेत्रफल	248.00 एकड़ (लगभग)			
		या	100.36 हेक्टर (लगभग)			

## सीमा वर्णन

- क-ख रेखा हुटुगढ़ग और तेवारडग ग्रामों से होकर जाती है (जो उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन अर्जित रामगढ़ ब्लॉक 1 और 4 विस्तार की भागत सम्मिलित सीमा है) और बिन्दु "ख" पर मिलती है।
- ख-ग-घ-ङ रेखाएं तेवारडग और खोखा (भेरा नदी) ग्रामों से होकर जाती है और बिन्दु "ङ" पर मिलती हैं।
- रेखा भेरा नदी के भागत बाएं किनारे के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "च" पर मिलती है।
- च-क रेखा खोखा (भेरा नदी), तेवारडग और हुटुगढ़ग से होकर जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं० 19/121/81-सी०एल०]

## MINISTRY OF ENERGY

## (Department of Coal)

New Delhi, the 17th February, 1982

S.O. 970. —whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intension to prospect for coal therein;

The plan of the area covered by this notification can be inspected in the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi, or in the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar), or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi, within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

## SCHEDULE

				Hutugdag Block (Ramgarh Coalfield) (Bihar)	Drg. No. Rev/94/81 Dated 10-11-1981 (Showing lands notified for prospecting)		
Sl. No.	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks	
1.	Hutugdag	Ramgarh	156	Hazaribagh	75.75	Part	
2.	Tewardag	Ramgarh	158	-do-	166.90	Part	
3.	Khokha	Gola	14	-do-	5.35	Part	
Total area :			248.00 acres (approximately)				
or			100.36 hectares (approximately)				

## Boundary Description :

A—B line passes through villages Hutugdag and Tewardag (which forms part common boundary of Ramgarh block I and IV Extn. acquired under sub-section (1) of section 9 of the said Act) and meets at point 'B'.

B—C—D—E— Lines pass through villages Tewardag and Khokha (Bhera River) and meets at points 'E'.

E—F line passes along the part right bank of Bhera River and meets at point 'F'.

F—A line passes through villages Khokha, (Bhera River) Tewardag and Hutugdag and meets at starting point 'A'.

[No. 19/121/81-CL]

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1982

का०आ० 971.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपायय अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अधिप्राप्त किए जाने का संभावना है,

अतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक अल (अर्थन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने धायय की सूचना देती है,

2. इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखाक का निरीक्षण सैट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाउस रांची के कार्यालय में या उपायुक्त रांची (बिहार) के कार्यालय में दयबा कोयला नियंत्रण, 1 काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितवद्ध सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के भीतर राजस्व अधिकारी सैट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, दरभंगा हाउस, रांची को भेजेंगे।

## अनुसूची

रेखांक सं० राजम्ब/80/81 ता० 1-10-1981

चूरी विस्तार ब्लॉक

(उत्तरी कर्णपुरा कोयला क्षेत्र)

जिसमें पूर्वेक्षण के लिए अधि-  
सूचित भूमि दर्जित की गई है।

क्र०सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला क्षेत्र	टिप्पणियां
1	चूरी	बुर्मु	16	रांची	भाग

कुल क्षेत्र : 1000.00 एकड़ (लगभग)

404.68 हेक्टर (लगभग)

सीमा वर्णन : /

क-ख / रेखा ग्राम चूरी (जो मानकी कोयला खान की भागत: साझी सीमा है) में से होकर जाती है।

ख-ग-घ रेखा ग्राम चूरी (जो चूरी कोयला खान की भागत: साझी सीमा है) में से होकर जाती है।

घ-ङ रेखा भफो नदी की भागत: मध्य रेखा (जो चूरी और धनरा ग्रामों के बीच भागत: साझी सीमा भी है) के साथ साध जाती है।

ङ-च रेखा ग्राम चूरी (जो रे कोयला खान की भागत: साझी सीमा है) में से होकर जाती है।

च-क / रेखा दामोदर या देवनन्द नदी की भागत: मध्य रेखा (जो हजारि बाग और रांची की भागत: जिला सीमा भी है) के साथ साध जाती है।

[सं० 19/114/81सी०एल०]

स्वर्ण सिंह, प्रवर सचिव

New Delhi, the 22nd February, 1981

S.O. 971.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi or in the Office of the Deputy Commissioner, Ranchi (Bihar) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi within 90 days from the date of the publication of this notification.

## SCHEDULE

Drg. No. Rev/80/81

Churi Extn., Block

date 1-10-81

(North Karanpura Coalfield) (Showing land notified for prospecting)

Sl. No.	Village	Thana	Thana No.	District	Area	Remarks
1.	Churi.	Burmu	16	Ranchi		Part
Total area : —1000.00 acres (approx.) or 404.68 hectare: (approx.)						

## BOUNDARY DESCRIPTION :—

A-B line passes through village Churi (which forms part common boundary with Manki Colliery).

B-C-D	lines pass through village Churi (which forms part common boundary with Churi Colly.).
D-E	line passes along the part central line of Saph-Nadi (which is also part common boundary between villages Churi and Ray and Churi and Bachra.
E-F	line passes through village Churi (which forms part common boundary with Ray Colliery.).
F-A	line passes along the part central line of River Damodar or Deonod (which is also the part district boundary of Hazaribagh and Ranchi.

[No. 19/114/81-CL]

SWARAN SINGH, Under Secy.

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संचालय

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1982

का० आ० 972.—भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अनुसूची के भाग-1 में सरकारी आयुर्वेदिक विद्यालय (कालेज) पटियाला से संबंधित क्रम सं० 88 के सामने कालम 4 के अन्तर्गत वर्तमान प्रविष्टि "आयुर्वेदाचार्य.....ए०ए०" के सामने "1912 से 1961 तक" की प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी :—

[सं० प्रार० 12015/17/81-ए०ई०]

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 2nd February, 1982

S.O. 972.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Indian Medicine Centre, Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Government after consulting the Central Council of Indian Medicine, hereby makes the following further amendment in the Second Schedule to the said Act, namely :—

In Part I of the said Schedule, against serial number 88, relating to Government Ayurvedic Vidyalaya (College), Patiala, for the existing entry under column 4 against "Ayurvedacharya.....AA" the entry "From 1912 to 1961" shall be substituted.

[No. R-12015/17/81-AE]

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1982

का० आ० 973.—भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम 1970 (1970 का 49) की धारा 14 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् से परामर्श करने के बाद उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है :—

उक्त अनुसूची के भाग 1 में क्रम संख्या 21 के सामने स्तम्भ 4 में प्रविष्टि "1978 तक" जोड़ी जाये।

[सं० जैड० 28015/29/76-आयु० डेस्क (ए०ई०) बाल्युम-III]

हिम्मत मिश्र, प्रधान सचिव

New Delhi, the 20th February, 1982

S.O. 973.—In exercise of the powers conferred by section 14 of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Government, after consulting the Central

Council of Indian Medicine, hereby makes the following further amendment in the Second Schedule to the said Act, namely :—

In part I of the said Schedule against serial No. 21 in column 4, the entry, "upto 1978" shall be inserted.

[No. Z-28015/29/76-Ay. Desk(AE)(Vol. III)]  
H. S. DHAKAALIA, Under Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

रुड़ि-नगर

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1982

क्रा० आ० 974.—2 विसम्बर, 1978 के भारत के राजपत्र के भाग-II, खंड-3, उपखंड (ii) के पृष्ठ 3258 पर प्रकाशित भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 10 नवम्बर, 1978 की अधिसूचना सं० एम-ओ 3454 के अंतिम पैराग्राफ में, पंक्ति 2 में, "22" को "23" पढ़ें और पंक्ति 4 में "23" को "24" पढ़ें।

[सं० बी० 14015/1/81-पो० एम० एस०]  
एन० ए० सुब्रह्मण्य, अधीक्षक सचिव

(Department of Health)  
CORRIGENDA

New Delhi, the 19th February, 1982

S.O. 974.—In the notification of Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. S.O. 3454, dated the 10th November, 1978, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 2nd December, 1978, at page 3258 in the concluding paragraph in line 2, for "22" read "23" and in line 4, for "23" read "24".

[No. V. 14015/1/81-PMS]  
N. A. SUBRAMONEY, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1982

क्रा० आ० 975.—यह भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के उपबन्धों के अनुसरण में नागार्जुन विश्वविद्यालय ने डा० बिदेरुपति नागेश्वर राव को 22 जनवरी, 1982 में भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है।

अतः, अध, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय के 9 जनवरी 1980 के एस०ओ० संख्या 138 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 56 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ रखी जाएगी, अर्थात् :—

"57. डा० बिदेरुपति नागेश्वर राव, एम०एस०  
स्वतंत्र नर्सिंग होम,

कोठापेट, गुंटूर-522001, आन्ध्र प्रदेश।"

[सं० बी० 11013/2/82-एम०ई० (पी०)]  
प्रकाश चन्द जैन, अधीक्षक सचिव

New Delhi, the 24th February, 1982

S.O. 975.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. Chigurupati Nageswara Rao, has been elected by the Nagarjuna University to be a member of the Medical Council of India with effect from the 22nd January, 1982.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the late Ministry of Health S.O. No. 138, dated the 9th January, 1980, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", after serial number 56 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely :—

"57. Dr. Chigurupati Nageswara Rao, M.S.  
Swatantra Nursing Home,  
Kothapet, Guntur-522001, Andhra Pradesh."

[No. V. 11013/2/82-M.E. (Policy)]

P. C. JAIN, Under Secy.

ग्रामीण विकास मंत्रालय

नई दिल्ली

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1982

क्रा० आ० 976.—केन्द्रीय सरकार मांस खाद्य उत्पाद आदेश 1973 के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए मांस खाद्य उत्पाद सलाहकार समिति गठित करती है, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे अर्थात् :—

अध्यक्ष .

कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार  
सदस्य .

1. पशुपालन आयुक्त, भारत सरकार या उसका नामनिर्देशित।
2. महानिदेशक स्वास्थ्य सेवा, भारत सरकार या उसका नामनिर्देशित।
3. महानिदेशक तकनीकी विकास, भारत सरकार या उसका नामनिर्देशित।
4. कार्यपालक निदेशक, खाद्य और पोषाहार बोर्ड, खाद्य विभाग भारत सरकार या उसका नामनिर्देशित।
5. निदेशक, केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान मैसूर या उसका नामनिर्देशित।

मद (ज) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट राज्य सरकारों के पशुपालन या पशुचिकित्सा विभाग के दो अधिकारी।

6. निदेशक पशुपालन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
7. निदेशक, पशुपालन, महाराष्ट्र, पुणे।

मद (छ) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट निम्नलिखितों में से दो व्यक्ति।

8. निदेशक, मैसर्स ब्रुक बांड इंडिया लिमिटेड, पेवरई फैक्ट्री, श्रीरंगनाबाद।
9. महाप्रबन्धक, बेफन फैक्ट्री, रांची।

मद (ज) के अधीन अनुशासन अधिकारी द्वारा नामनिर्दिष्ट विपणन और निरीक्षण निदेशालय का एक अधिकारी।

10. ज्येष्ठ विपणन अधिकारी,  
(मांस खाद्य उत्पाद आदेश)  
विपणन तथा निरीक्षण निदेशालय, नागपुर।

2. ज्येष्ठ विपणन अधिकारी (मांस खाद्य उत्पाद आदेश) विपणन तथा निरीक्षण निदेशालय, नागपुर उक्त समिति के सचिव के रूप में कार्य करेगा।

[सं० एफ० 2-1/74-ए० एस०]

बी० पी० नाबला, उप सचिव

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 19th February, 1982

S.O. 976.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (1) of Clause 3 of the Meat Food Products Order, 1973, the Central Government hereby constitutes the Meat

Food Products Advisory Committee consisting of the following persons for a period of two years with effect from the date of publication of this Order in the Official Gazette, namely:—

Chairman :

Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

Members :

(1) Animal Husbandry Commissioner, Government of India or his nominee.

(2) Director General of Health Services, Government of India or his nominee.

(3) Director General of Technical Development, Government of India or his nominee.

(4) Executive Director, Food and Nutrition Board, Department of Food, Government of India or his nominee.

(5) Director, Central Food Technological Research Institute, Mysore or his nominee.

Two officers of the Department of Animal Husbandry or Veterinary Services or State Governments nominated by the Central Government under item (f).

(6) The Director of Animal Husbandry, Uttar Pradesh, Lucknow.

(7) The Director of Animal Husbandry, Maharashtra, Pune.

Two persons from among the manufacturers nominated by the Central Government under item (g).

(8) Director, M/s. Brooke Bond India Limited, Gevrai Factory, Aurangabad.

(9) General Manager, Bacon Factory, Ranchi.

An officer of the Directorate of Marketing and Inspection nominated by the licensing authority under item (h).

(10) Senior Marketing Officer, (Meat Food Products Order), Directorate of Marketing and Inspection, Nagpur.

2. The Senior Marketing Officer (Meat Food Products Order), Directorate of Marketing and Inspection, Nagpur, shall act as the Secretary of the said Committee.

[No. F. 2—1/74-AM]

V. P. CHAWLA, Dy. Secy.

### नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1982

क्र० भा० 977.—दिल्ली परिवहन निगम (सब्सिडी) नियम, 1973 के नियम 3 के साथ पठित मङ्क परिवहन निगम अधिनियम, 1950 (1950 का 64) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री जी० जे० मिश्र, सयुक्त सचिव, नौवहन और परिवहन मंत्रालय को 24 फरवरी, 1982 से दिल्ली परिवहन निगम का सब्सिडी नियुक्त करती है और भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संख्या का० भा० 238 (अ०) दिनांक 1 मई, 1979 से निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना के पैरा 1 में मद संख्या (iii) में निम्नलिखित प्रविष्टि की जाए:—

“श्री गोविन्द जी मिश्र  
सयुक्त सचिव,  
नौवहन और परिवहन मंत्रालय”।

[फाइल सं० टी जी डी (9) 79]

वी० आर० बच्छाण, उप सचिव

### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 24th February, 1982

S.O. 977.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Road Transport Corporations Act, 1950 (64 of 1950) read with rule 3 of the Delhi Transport Corporation (Members) Rules, 1973, the Central Government hereby appoints Shri G. J. Misra, Joint Secretary, Ministry of Shipping and Transport as a member of the Delhi Transport Corporation with effect from 24th February, 1982 and makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S. O. 238(F) dated the 1st May, 1979, namely:—

In the said notification in para 1 against the item (iii), the following shall be inserted:

“Shri G. J. Misra,

Joint Secretary,

Ministry of Shipping and Transport”

[File No. TGD(9)/79]

B. R. CHAVAN, Dy. Secy.

### पूरी और पुनर्वासि मंत्रालय

(पुनर्वासि विभाग)

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1982

क्र० भा० 978.—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा हरियाणा सरकार के पुनर्वासि विभाग में उप सचिव (पुनर्वासि), श्री जे० एन० भरोडा को तत्काल प्रभाव से, उक्त अधिनियम के अधीन सहायक महा आभिरक्षक के कार्यों का निष्पादन करने के लिए सहायक महा आभिरक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

इससे अधिसूचना संख्या 1(2)/विशेष सैन/77-एस०एस०-II दिनांक 19 फरवरी 1981 का अधिकरण किया जाता है।

[संख्या-1(8)/विशेष सैन/77-एस०एस०-II(क)]

एन० एम० वाधवानी, अवर सचिव

### MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 11th February, 1982

S.O. 978.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950), the Central Government hereby appoints Shri J. L. Arora, Deputy Secretary (Rehabilitation) in the Rehabilitation Department, Government of Haryana, as Assistant Custodian General of Evacuee Property for the purpose of discharging the duties imposed on such Assistant Custodian General by or under the said Act with immediate effect.

This supersedes Notification No. 1(2)/Spl. Cell/77-SS., II., dated the 19th February, 1981.

[No 1(8)/Spl. Cell/77-SS. II(A)]

N. M. WADHWANI, Under Secy.

क्र० भा० 979.—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम 1950 (1950 का 31) की धारा 55 की उपधारा 3 द्वारा महा आभिरक्षक के रूप में मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मैं इसके द्वारा अधिसूचना संख्या-1(8)/विशेष सैन/77-एस०एस०-II(क), दिनांक 11 फरवरी,

1982 द्वारा हरियाणा राज्य के लिए नियुक्त सहायक महा अभिरक्षक को, महा अभिरक्षक की निम्नलिखित शक्तियाँ सौंपता हूँ -

- (i) अधिनियम की धारा 24 और 27 के अधीन शक्तियाँ।
- (ii) अधिनियम की धारा 10(2)(0) के अधीन किसी भी निष्क्रान्त सम्पत्ति के हस्तांतरण के अनुमोदन की शक्तियाँ।
- (iii) निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन (केन्द्रीय) विनियमवली, 1955 के नियम 30-क के अधीन मामलों के हस्तांतरण की शक्तियाँ।

इससे अधिसूचना संख्या 1(8)/विशेष सैल/77-एस०एस०-II, दिनांक 19 फरवरी, 1981 को अधिग्रहण किया जाता है।

[संख्या 1(8) विशेष सैल/77-एस०एस०-II(ख)]

गोविन्द जी मिश्र, महा अभिरक्षक

S.O. 979.—In exercise of the powers conferred on me as Custodian General by sub-section 3 of Section 55 of the administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), I do hereby delegate to the Assistant Custodian General for the State of Haryana, appointed vide Notification No. 1(8)/Spl. Cell/77-S.S. II(A), dated the 11th February, 1982, the following powers of the Custodian General :—

- (i) Powers under Section 24 and 27 of the Act.
- (ii) Powers of approval of transfer of any evacuee property under Section 10(2)(0) of the Act.
- (iii) Powers of transfer of cases under Rule 30-A of the Administration of Evacuee Property (Central) Rules, 1955.

This supersedes Notification No. 1(8)/Spl. Cell/77-SS.II, dated the 19th February, 1981

[No. 1(8)/Spl. Cell/77-SS. II.(B)]

GOVIND JFE MISRA, Custodian General

### श्रम मंत्रालय

#### आदेश

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1981

क्र०आ० 980.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाययुक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में बैंक आफ बड़ोदा के प्रबंधन से सम्बन्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० एस० बरोत होंगे, जिनका मुख्यालय अहमदाबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्याय-निर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

"क्या बैंक आफ बड़ोदा के प्रबंधन की उनकी सालाबतपुरा और रंकुवा स्थित शाखाओं के संबंध में श्रमशः श्रीमती सविताबेन एम० पटेल और श्रीमती सविताबेन राधोड को उच्चतर सज्दगी का संदाय न करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि हाँ, तो संबंधित कर्मकार किम अनुमोद के हकदार हैं और किम सारिख से ?"

[संख्या एन-12012/310/80-डी-II(ए०)]

### MINISTRY OF LABOUR

#### ORDER

New Delhi, the 28th November, 1981

S.O. 980.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of Baroda and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri G. S. Barot shall be the Presiding Officer, with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bank of Baroda in relation to its Branches at Salabatpura and Rankuva in not paying higher wages to Shrimati Savitaben M. Patel and Shrimati Savitaben Rathod respectively, is justified ? If not, to what relief are the workmen concerned entitled and from which date ?"

[No. L-12012/310/80-D.II(A)]

New Delhi, the 18th February, 1982

S.O. 981.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur and their workman, which was received by the Central Government on the 15-2-1982.

### केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण, राजस्थान, जयपुर

केस नं० सी०आई०डी० 4/1980

प्रसंग—वेल्क आफीसर, भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली के आदेश सं० एन० 12012/105/79-डी०II(ए) दिनांक 2 अगस्त, 1980

श्री बाबू भिदू, पुत्र श्री लाल सिंह चितोड़गढ़।

—प्रार्थी

#### बनाम

जनरल मैनेजर, स्टेट बैंक आफ बीकानेर एंड जयपुर, जयपुर।

—विपक्षी

#### उपस्थिति

प्रार्थी की ओर से :— श्री एम० एफ० डेन  
विपक्षी की ओर से :— श्री गनोश शर्मा  
दिनांक अगस्त : 28-12-81

#### प्रवाद

भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली ने निम्न विवाद इस अधि-करण को अपनी आदेश सं० एन० 12012/105/79-डी०II(ए) दिनांक 2 अगस्त, 1980 द्वारा औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 10(1) के अन्तर्गत अधिनियमित हेतु भेजा है।

"Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur in stopping Shri Babusingh S/o Shri Lal Singh, Part Time Mali from work with effect from 1-5-1978 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"



2. बाद प्राप्त होने के पक्षकारों को नोटिस जागे। यह दिनांक 1-12-81 को दोनों दल के प्रतिनिधियों ने एक-दूसरे को समझौता पेश कर उससे लड़ने का अस्वीकार के समझ की। समझौता उद्घाटित हो प्रत्येक एक वर्ष का नाम होता है जो इस फंडे सहकर्मियों का भाग होगा और इस अर्वाइज का भी भाग होगा अतः आहूत। समझौता हो जाने में इस मामले में फरफिट के निश्चिन्ता समझौते के आधार पर अर्वाइज पारित किया जाता है।

3. यह अर्वाइज भारत सरकार को आने प्रमाणित श्रीलोकिक विवाद अधिनियम की धारा 17(1) के तहत अर्वाइज जायेगा।

राम रज लाल गुप्त, प्रसाईडिंग ऑफिसर

नवज साहसिक औद्योगिक स्वायत्तिकाय नवपुर (कोर)

आई० टी० न० 4/80

बाबू निरुध्वन मन्तर, स्टेट बैंक आफ बीकानेर एवं जयपुर।

विषय :- समझौता वाद

श्रीमानजी

उक्त शब्द में निम्नलिखित शर्तों पर दोनों पक्षों में आपसी सहमति में समझौता करने का तय है :-

1. यह कि श्रमिक धारा 17-12-81 चिन्तागत में उपस्थित की जायेगी तथा कार्य पर उपस्थित होने की तिथि में एक वर्ष की अवधि तक सेवाएं प्रस्थाई रहेंगी, उसके बाद सेवाएं कार्य एवं आश्चर्य मतोद्भव करने पर स्थिति की जा सकेगी।
2. यह कि 1-5-78 से पुनः सेवा पर उपस्थित होने की तिथि 17-12-81 से पूर्व तक का कोई वेतन देय नहीं होगा।
3. यह कि श्रमिक को सेवा पर उपस्थित होने की तिथि तक सामान्यतः एक वर्ष की अवधि तक चिन्तागत से अन्तर्गत स्थानान्तरण नहीं किया जायेगा।
4. यह कि श्रमिक को शास्त्री अर्वाइज अथवा द्वितीय इस्तरार के तहत वेतन देय दे दिया जायेगा।

उक्त शर्तों पर कन्सेन्ट अर्वाइज प्रदान करने के आदेश फरमाये।

ह०

अंगद

अप्रार्थी प्रतिनिधि

(मन्त्रिण गुरु)

प्रार्थी श्रमिक

ह० प्रार्थी प्रतिनिधि

(एम० एफ० बैंग)

[म० एल०-1201/105/79-डी-II(ग)]

N. K. VERMA, Desk Officer

New Delhi, the 15th February, 1982

S.O. 982.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employer in relation to the management of Life Insurance Corporation of India, Indore and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd February, 1982

[1982 GT/31 5]

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS (RETD.) PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

CASE No. CGIT/LC(R)(63)/1980

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Life Insurance Corporation of India, Indore and their workmen represented through the Indore Division Insurance Employees' Association, 59, Bima Nagar, Indore-452001.

APPEARANCES :

For Union—Shri P. K. Thakur, Advocate.

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Insurance Company. DISTRICT : Indore (M.P.)

AWARD

Dated : January 28, 1982

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-17012/25/79-D.IV(A) dated 11th September, 1980 for the adjudication of the following dispute by this Tribunal —

“Whether the action of the management of Life Insurance Corporation of India, Indore in withdrawing their Order No. Per/yar/922 dated 1st March 1979 appointing Shri G. P. Dubey, Record Clerk, S. R. No. 202394 as Projectionist vide their subsequent letter No. Per/AAO dated 30th May, 1979, is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?”

2. Briefly stated the facts which are not in dispute and which have given rise to this reference are as under :—

Shri G. P. Dubey hereinafter called the workman, was employed in the Life Insurance Corporation of India, hereinafter referred to as the Corporation. He was holding the post of Record Clerk. On 15-12-1978 the Corporation issued a Notification for filling the vacancy for a Projectionist in the Cadre of HGA/Asstt. at Indore/Bhopal. In response to this Notification the workman submitted an application. He was selected and was given an offer of his posting on the post advertised in Bhopal. The Corporation then issued a letter addressed to the workman indicating the terms and conditions of his appointment on the aforesaid advertised post and desired the workman to indicate his acceptance. The workman instead of accepting the post offered to him made repeated requests for his posting at Indore instead of at Bhopal. The Corporation similarly repeatedly informed the workman that his posting at Indore was not possible and that he should give his clear acceptance within the specified period. Lastly when the workman did not indicate his acceptance of appointment on the post of Projectionist at Bhopal the Corporation withdrew the offer by a letter dated 30th May 1979

3. The workman thereafter raised a dispute about the withdrawal of the order and his demand for posting at Indore through the office bearers of the Union. As the conciliation proceedings failed the matter was referred to the Central Government and the Central Government, as stated above, referred this dispute to this Tribunal for adjudication.

4. The claim of the workman is that there was no vacancy of a Projectionist at Bhopal; that with a view to transfer another employee by name Shri More from Bhopal to Indore he was, though selected and appointed, asked to join at Bhopal instead of at Indore; that in fact there was only one vacancy at Indore for which he was selected; that in the meantime the Corporation transferred Shri More as an act of favouritism; that though the workman repeatedly brought to the notice of the Corporation his domestic problems about his being posted at Bhopal yet the Corporation did not take

a favourable attitude and insisted for the workman joining at Bhopal; that Shri More who was transferred from Bhopal to Indore could not be so transferred as he had not completed five years at Bhopal and that when once the selection was followed by an offer and appointment, neither the offer could be withdrawn nor the appointment could be cancelled.

5. The claim of the Corporation is that under the Life Insurance Corporation Act the Corporation is empowered to frame its own rules and regulations and make provision for promotion, appointment, transfer etc. that promotion and posting of an employee is a managerial function; that the workman had, in response to the notification issued by the Corporation, applied for the post of Projectionist, which was available at Indore/Bhopal; that on being selected the workman was given an offer to accept the appointment on certain terms and conditions to which the workman did not give his clear acceptance; that instead of accepting the offer and joining the post for which he was selected he made repeated requests for his posting at Indore which was not possible; that when inspite of being repeatedly asked to accept the offer and join at Bhopal the workman did not give his acceptance the Corporation had no option but to withdraw the offer and that such action had to be taken as the post of Projectionist at Bhopal could not be kept vacant without adversely affecting the working of the Corporation.

6. In the light of the aforesaid rival claims of the parties the following issues were framed :—

1. Whether the management of Life Insurance Corporation of India, Indore, was justified in withdrawing their Order No. Per/Yan/922 dated 1st March, 1979 appointing Shri G. P. Dubey, Record Clerk, S. K. No. 202394 as projectionist vide their subsequent letter No. Per/AAO dated 30th May, 1979

2. If not, to what relief is the workman entitled to ?

7. Having considered the oral and documentary evidence on record my findings on the aforesaid issues are as under :—

**Issue No. 1 :** The management of the Life Insurance Corporation of India was justified in withdrawing their Order No. Per/Yan/922 dated 1st March, 1979 vide their subsequent letter No. Per/AAO dated 30th May, 1979.

**Issue No. 2 :** The worker is not entitled to any relief.

**Reasons for the aforesaid findings :—**

8. **Issue No. 1 :** As already stated above most of the facts in this case are not disputed. The workman while working as a Record Clerk in the Corporation submitted an application for appointment as a Projectionist vide Management's Notification (Ex. W/8) dated 15th December, 1978. The Corporation after interviewing the workman and the other candidates selected the workman for the post of Projectionist. In the notification Ex. W/8 it was clearly notified that applications were invited for filling one vacancy of Projectionist in the cadre of I.G.A. or Asst. at Bhopal or Indore. Application made by the applicant has not been filed by either party. The applicant in his statement as W.W. 1 also does not say that while making an application in response to the aforesaid notification he had given any indication, much less a clear indication, that his application may be considered for appointment at Indore only and not at Bhopal. When the notification was made for filling of a vacancy at Bhopal or at Indore the applicant is supposed to have known that he was applying for being selected for the post of a Projectionist and his appointment can be either at Bhopal or at Indore. Thus so far as the notice of the Corporation inviting applications for the post of a Projectionist is concerned there can be no challenge to it on behalf of the workman.

Subsequent to the application made by the applicant the applicant was called for interview vide Ex. W/7 dated 30th January, 1979 and was selected. Thereafter vide Ex. W/6 dated March 1, 1979 the applicant was asked by the Corporation as to whether he was agreeable to his appointment as a Projectionist at the Divisional Development Unit at Bhopal on the terms and conditions mentioned therein. So far as the

other terms and conditions mentioned in this letter are concerned we are not concerned with them in the present adjudication proceedings, but it is clear that after the workman was selected he was offered the post of a Projectionist and not appointed as claimed by the workman. It was therefore upto the workman to accept the offer or decline it. The workman instead of accepting the offer for his appointment and posting at Bhopal firstly made application Ex. M/14 dated March 24, 1979. The Corporation again advised him by the letter dated 3rd April 1979 (Ex. M/15) and asked him to indicate his acceptance with a period of seven days from the receipt of this letter. The workman instead of giving his acceptance/consent to the Corporation's offer again represented vide his letter 16-4-1979 (Ex. M/16) and pressed for his posting at Indore presumably as a condition precedent for accepting the appointment offered to him. The Corporation finding it not possible to appoint the workman at Indore informed him by letter dated 1-5-1979 (Ex. M/17) to indicate clearly within three days as to whether the offer made to him was acceptable or not. The workman again pressed for his posting at Indore vide his letter dated 16-5-1979 (Ex. M/18) and did not indicate his consent for the said appointment and posting at Bhopal. Consequently, the Corporation addressed the letter dated 30-5-1979 (Ex. M/20) that the offer made to him was withdrawn as the same was not accepted.

9. I will shortly consider the question as to whether the request for posting at Bhopal was bonafide or not but from what has been stated above it would be clear that the workman before making application for appointment as a Projectionist knew very well that the vacancy was either at Bhopal or at Indore. He appeared at the interview and was selected. He was given an offer, vide (Ex. M/12) that he could be appointed at the Divisional Development Unit at Bhopal on the terms and conditions set forth therein. This is not a case where an employee was appointed directly and his appointment order was subsequently withdrawn. On the contrary, this is a clear case where for a higher post applications were invited and the present workman applied for it knowing fully well that his appointment could be either at Bhopal or at Indore. After being selected he was offered the higher post on the condition of his being posted at Bhopal. The workman could not compel the Corporation for his posting at a particular place more particularly when he had himself submitted an application for a post either at Bhopal or at Indore. In these circumstances, it cannot be said that there was any want of bonafide on the part of the Corporation for offering a post at Bhopal after he was selected.

The workman's contention is that there was a post vacant at Indore and though he had his own family problems which he had to face if he was to join at Bhopal even then the Corporation favoured the other employee Shri More by posting him at Indore and creating a vacancy at Bhopal for his posting. In this connection the Corporation's contention is that Shri More was transferred to Indore due to his domestic problems. It would thus be clear that there were two employees in the Corporation and each one of them had his own problems for working at Bhopal. The Corporation favourably accepted the request of one viz. Shri More and did not so favourably consider the request made by the present workman. If the application made by the applicant had been conditional, that is, if he had in his application for the appointment to the post of Projectionist, indicated that he should be considered only if he was to be posted at Indore then the dispute raised by the workman could have been justified. When there was no such condition then the Corporation, in exercise of its managerial powers, considered the request of only one and not both persons and if one employee has been accommodated the present workman had the option either to continue on the post held by him at Indore or join the post of promotion at Bhopal.

10. In the statement of claim workman has given an indirect indication that he is an active worker of the Insurance Employees Association. This statement is made with a latent view that he was being victimised on account of his union activities. There is absolutely no oral or documentary evidence to justify this suggestion. Had it been so, the workman would not have been selected when there were other

applications also for the aforesaid post. May be that the applicant had his own personal and family problems for moving out of Indore but that is a matter for the workman himself to consider. If he had decided to continue on the lower post at Indore he cannot compel the management to promote him and also to post him at a place of his choice.

11. The offer for appointment at Bhopal was made by the letter dated 1-3-1979 and for three months the offer was kept open. The workman was repeatedly asked, vide Corporation document mentioned above, to indicate his consent for being appointed and posted at Bhopal but every time the workman insisted that because of the difficulties expressed by him he should be posted at Indore. If the management, in the exercise of its administrative and managerial functions, could not post him at Indore then the workman cannot have any legitimate grievance against the management. When for three months the offer was kept open and was not accepted the Corporation could not keep the post vacant for an indefinite period and was constrained to withdraw the offer made to the workman. Such a withdrawal of the offer which was not accepted for over three months, could not be kept open and if the offer has been withdrawn it must be held to have been withdrawn on valid grounds and treated as fully justified.

12. In the above mentioned circumstances I am clearly of the view that in this case the Corporation was fully justified in withdrawing the offer made to the workman vide letter No. Per/yar/922 dated 1st March by their letter No. Per/AAO dated 30th May, 1979.

13. Issue No. 2 : In the light of the view taken above, the workman is not entitled to any relief in this case.

14. Accordingly for the reasons given above the award is that the management of the Life Insurance Corporation of India at Indore was fully justified in withdrawing their Order No. Per/yar/922 dated 1st March, 1979 by their subsequent letter No. Per/AAO dated 30th May, 1979. The workman in these circumstances is not entitled to any relief.

In the circumstances of the case both the parties are directed to bear their own costs as incurred in these proceedings.

S. R. VYAS, Presiding Officer

[No. I 17012/25/79-D.IV(A)]

F. B. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1982

का०आ० 983.-केंद्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (द) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के अथम सहायक की अधिसूचना संख्या 2423 तारीख 28 अगस्त, 1981 के द्वारा भारत सरकार टयूमाल, अम्बीपुर, कचकता की उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 28 अगस्त, 1981 से छ. माम की कामगारों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केंद्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कामगारों को छ. माम की और कामगारों के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 28 फरवरी, 82 से छ. माम की और कामगारों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० एम-11017/3/80-ई-1-ए]

एन० के० नारायण, अवर सचिव

New Delhi, the 16th February, 1982

S.O. 983.-Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (a) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2423 dated the 28th August 1981, the India Government Mini. Alipur, Calcutta to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 28th August, 1981 :

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (a) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 28th February 1982

[No. I S-11017/3/80-D-II(A)]

F. K. NARAYANAN, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली 18 फरवरी 1982

का०आ० 984.-केंद्र उच्च न्यायालय, इलाहाबाद ने इसमें उपाय अन्तर्गामी में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में पंचायत को जा औद्योगिक अधिनियम, एनके के पीठासीन अधिकारी श्री के०पी०एम० शीरक द्वारा दिया गया है, को आंशिक रूप में रद्द कर दिया है और श्री श्री०आई० लियान फर्नांडीज, बिजली सिन्धी से संबंधित विवाद (जिसे इसके पश्चात् उक्त विवाद कहा जाएगा) को इस निदेश के साथ अधिनियम का आगमन भेजा है कि वे मामले को नए दिग्ग में प्रारम्भ करें।

और जब कि श्री के०पी०एम० शीरक की सेवाएं अब उपलब्ध नहीं हैं।

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखण्ड (1) के साथ पाठ्य धारा 7 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिनियम गठित करती है, जिसमें पीठासीन अधिकारी के०पी०आई०आई० लियान फर्नांडीज, बिजली सिन्धी से संबंधित विवाद (जिसे इसके पश्चात् उक्त विवाद कहा जाएगा) का आगमन भेजा है और उक्त श्री के०पी०आई०आई० लियान फर्नांडीज, बिजली सिन्धी से संबंधित विवाद में सम्बन्धित कार्यवाही का आगमन भेजा है और उक्त श्री के०पी०आई०आई० लियान फर्नांडीज, बिजली सिन्धी से संबंधित विवाद में सम्बन्धित कार्यवाही के लिए उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 28 अगस्त, 1977 से छ. माम की और कामगारों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया है।

अनुसूची

औद्योगिक विवाद की संवर्धन संस्था विवाद के पक्षकार

और तारीख

अथ संवर्धन, भारत सरकार नई दिल्ली के आदेश संस्था एन-13011/5/75-डी-4 बी/डी-3 बी० मनाहल कुषागरा, डाकघर कयोलीन (केरल) के प्रबन्धतंत्र और उनका कर्मकार श्री श्री० आई० लियान फर्नांडीज, बिजली सिन्धी।

[सं० एन-13011/5/75-डी-IV (बी)/डी-4 बी]

जति भुषण, अवर सचिव

(Siram Mantralaya)

## ORDER

New Delhi, the 18th February, 1982

**S.O. 984.**—Whereas, the High Court of Kerala, Ernakulam has set partially aside the award in the industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed, given by the Shri K.P.M. Sheriff, Presiding Officer, of the Industrial Tribunal, Alleppey, and remanded back the dispute (hereinafter referred to as the said dispute) relating to Shri B.I. Leon Fernandez, Electrician, to the Tribunal with a direction to go into the matter afresh;

And whereas, the services of Shri K.P.M. Sheriff are no longer available;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sec. 7A read with sub-section (1) of the section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shall be Shri K.P. Devadas with head quarters at Alleppey and withdraws the proceedings in relation to the said dispute pending before the said Shri K.P.M. Sheriff, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Alleppey, and transfers the same to Shri K.P. Devadas Presiding Officer, Industrial Tribunal, Alleppey (hereinafter referred to as the said tribunal) with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings in respect of the dispute relating to Shri B.I. Leon Fernandez in accordance with the directions of the High Court of Kerala contained in their judgement dated 26th February, 1979 in Original Petition No. 1779 of 1977-J.

## SCHEDULE

Reference No. and date of industrial dispute	Parties to the dispute
(1)	(2)
Order No. L-43044/5/75-D.I.B/D. III-B, dated 19th March 1976, from Ministry of Labour, Government of India New Delhi.	The management of Kerala Minerals and Metals Limited Manailkulangara, P.O. Quilon (Kerala) and their workman, Shri B. I. Leon Fernandez, Electrician.

[No. L-43011/5/75-D.IV/(B)/D.III(B)]

New Delhi, the 23rd February, 1982

**S.O. 985.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Manganese Ore (India) Ltd., Nagpur and their workman, which was received by the Central Government.

BEFORE JUSTICE SHRI S.R. VYAS (RETD.), PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(61)/1980

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Manganese Ore (India) Limited, Nagpur,

## AND

Their workman, Shri Pritam S/o Shri Bhairyalal, Ward No. 9, Bharveli, Tehsil and District Balaghat (M.P.)

## APPEARANCES :

For Workman—Shri N. H. Kumbhare, Advocate.

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Manganese DISTRICT : Balaghat (M.P.)

## AWARD

Dated : February 4, 1982

The Central Government vide Ministry's Notification No. L-27012(2)/79-D. III. B dated 10th September, 1980 has referred the following dispute to this Tribunal, for adjudication :—

"Whether the action of the management of Manganese Ore (India) Ltd., Nagpur in relation to their Bharveli Manganese Mine in dismissing Shri Pritam S/o Bhairyalal, workman of the said Mine is justified. If not to what relief the said workman is entitled?"

2. Briefly stated the facts giving rise to this dispute are these. The workman Shri Pritam S/o Shri Bhairyalal, hereinafter referred to as the workman, was an employee of the Manganese Ore (India) Limited Nagpur, he enafter referred to as the management, in the Bharveli Manganese Mine. On 30th October, 1978 the workman's wife Smt. Meera, employed in the same mine, was making certain enquiries from one Shri Bhoyar as to why she was marked absent on 27th and 29th October, 1978 even though she was on duty. According to the workman, Shri Bhoyar not only abused his wife but also subjected her to physical violence because of which she raised a cry for help. The workman then intervened and averted the situation.

3. According to the management Shri Bhoyar was not concerned with the marking of attendance of the workman's wife, Smt. Meera. When, Smt. Meera was making certain enquiries from Shri Bhoyar she was told that he was not concerned with the marking of attendance. At that time, the workman came running leaving his place of work, picked up a piece of stone and threw it on Shri Bhoyar hitting him on the back. The workman, according to the management, also assaulted Shri Bhoyar with his chappal without any provocation from his side.

4. Because of this incident the workman was served with a charge-sheet and a departmental enquiry was held against him. After the Enquiry Officer submitted its findings, the competent authority, the Mine Manager, passed an order on 28th November, 1978 and directed a fresh enquiry to be held against the workman on a fresh charge-sheet. After the second enquiry was held, the findings of the Enquiry Officer were accepted by the Mines Manager, a second show cause notice was issued for the penalty of dismissal from service. As no sufficient cause, according to the management, was shown by the workman he was dismissed from service. This order of dismissal is the subject of the present dispute referred to this Tribunal for adjudication.

5. In their respective claims filed by both the parties, validity of the enquiry and the penalty imposed upon the workman were challenged by the workman and supported by the management. Accordingly the following issues were framed :—

1. Whether the charge-sheet given to the delinquent workman is proper?
2. Whether the delinquent workman was given fair opportunity to defend his case during the enquiry?
3. Whether the Enquiry Officer was biased?
4. Whether the enquiry has been conducted in strict adherence to the principles of natural justice?
5. Whether the findings of the Enquiry Officer are perverse?
6. (a) Whether on the same charges an enquiry was held and after examining 12 witnesses whether the delinquent workman was reinstated?  
(b) Whether on the same charges fresh charge-sheet was issued and the workman was dismissed?

Findings on all the above issues, except Issue No. 5 were recorded on 30th November, 1981. All these issues were found

against the workman and it was held that the charge-sheet given to the workman was proper, that the workman was given a fair opportunity to defend himself, that the Enquiry Officer was not biased that the enquiry was conducted in accordance with the principles of natural justice and that after an order for the second enquiry was passed the workman was reinstated and dismissed after the second enquiry was concluded. The second enquiry was also found to be a fair one. Only finding was reserved on Issue No. 5 as aforesaid.

6. Parties were heard after the findings on Issues Nos. 1 to 4 and 6 were recorded on 30th November, 1981. It has now to be seen whether the findings of the Enquiry Officer were perverse.

7. I have considered the findings of the Enquiry Officer. The question of the perversity as regards the findings of the Enquiry Officer raised by the workman deserves to be answered in favour of the management for the reasons given below.

8. The charge against the workman was that while his wife Smt. Meera was enquiring from Shri Bhoyar as to why she was marked absent on 27th and 29th October, 1978, he came running after leaving his place of work and picked up a piece of stone with which he hit Shri Bhoyar on his back and also assaulted Shri Bhoyar with his chappal while Shri Bhoyar was explaining to Smt. Meera that the cause of her being marked absent may be enquired from the person concerned and not from him. These acts of assault according to the management constituted misconduct under Section 10(g) and 10(h) of the Company's Standing Orders and the rules framed thereunder. The findings of the Enquiry Officer which were recorded after a properly held enquiry were that the workman had assaulted Shri Bhoyar while on duty without any provocation on his side, that he left the place of work without any permission and that the evidence recorded before the enquiry Officer fully established the charges. These findings of the Enquiry Officer are based on a proper appreciation of the evidence recorded by him in the properly and validly held enquiry. According to the Regulation No. 41(5) of the Metalliferous Mines Regulations 1961, no person shall while on duty throw any stone or other missile with intent to cause injury or fight or behave in a violent manner. Shri Bhoyar, according to the management was not concerned with the marking of attendance of Smt. Meera and according to the Enquiry Officer he was assaulted with stone and Chappal without any provocation from his side. The workman could seek redress of the grievance which he had regarding the marking of the attendance of his wife but certainly he could not subject Shri Bhoyar with physical violence by means of throwing stone hitting him on the back and assaulting him with Chappal also. The question whether Shri Bhoyar was a person holding rank superior to the workman is not relevant. No workman engaged in a mine is supposed to behave in the manner in which the Enquiry Officer has found this workman to have behaved in this case. For such an act which proves use of physical violence causing of hurt and conduct and behaviour of a riotous nature the management has every authority to impose a proper punishment.

9. In this case, considering the findings recorded by the Enquiry Officer, which in my opinion are based on a proper and reasonable appreciation of evidence the workman was rightly found guilty of the charges made against him. In order that industrial peace is maintained in the mine such a person deserves the punishment which has been imposed upon him by the management. I accordingly find no perversity in the findings of the Enquiry Officer which were, in my opinion, rightly accepted by the management.

10. In the light of the findings recorded on 30th November, 1981 and those recorded above I do not think that the applicant is entitled to any relief in this case. It was precisely for this reason that nothing was said on behalf of the workman with regard to the nature of the punishment awarded to the workman. The workman is therefore, not entitled to any relief in these proceedings. For the reasons given above my award in this case is as under—

The action of the management of Manganese Ore (India) Limited Nigaur in relation to their Bharveli Manganese Mine in dismissing Shri Putam S/o Shri Bhayralal workman of the

said mine is fully justified and that the workman is not entitled to any relief. In the circumstances of the case both the parties are directed to bear their own costs as incurred.

S. R. VYAS, Presiding Officer  
[No. 1 27012/2/79-D III B]  
SHASHI BHUSHAN Under Secy

नई दिल्ली, 19 फरवरी 1982

का० आ० 986—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी अधिनियम (मध्य और प्रवेश उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 1 की उपधारा (3) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित स्थापनों को जिनमें से प्रत्येक में बीस या उससे अधिक व्यक्ति नियोजित हैं, ऐसे स्थापना के रूप में चिन्हित करती है जहाँ उक्त अधिनियम लागू होगा, अर्थात्—

- (i) कोई विश्वविद्यालय,
- (ii) कोई नो महाविद्यालय चाहे वह किसी विश्वविद्यालय से संबद्ध है या नहीं,
- (iii) कोई भी विद्यालय चाहे उस केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त या सहायता प्राप्त है या नहीं,
- (iv) कोई भी वैज्ञानिक संस्था
- (v) कोई भी संस्था जिसमें किसी विषय के बारे में अनुसंधान किया जाता है,
- (vi) कोई भी अन्य संस्था जिसमें शून्य या प्राणिकरण दत्त स्वतंत्र शिक्षा के लिए व्यवस्थित रूप से चलाया जाता है।

[सं० 35016/2/79-डीएफए 2]

New Delhi, 19th February, 1982

50. 986—In exercise of the powers conferred by clause (b) of subsection (3) section 1 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby specifies the following classes of establishments in each of which twenty or more persons are employed, as establishments to which the said Act shall apply, namely—

- (i) any University;
- (ii) any college, whether or not affiliated to a University;
- (iii) any school, whether or not recognised or aided by the Central or a State Government;
- (iv) any scientific institution;
- (v) any institution in which research in respect of any matter is carried on;
- (vi) any other institution in which the activity of imparting knowledge or training is systematically carried on.

[S-35016/2/79 P1 III]

नई दिल्ली 22 फरवरी 1982

का० आ० 987—केन्द्रीय राज्य सरकार न कर्मचारी राज्य बचत अधिनियम 1948 (1948 का 31) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अनुसरण में डा० एन० जे० जी० के स्थान पर डा० जॉसफ जे० जे० जे०, निदेशक, बीमा विकास सेवाएँ, केन्द्रीय सरकार का विकास प्रसुविद्ध परिपद में उस राज्य में प्रतिनिधित्व करने वाले नामनिर्दिष्ट किया है

या, अब केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बचत अधिनियम, 1948 (1948 का 31) की धारा 10 की उपधारा (1) के अनुसरण में,

भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या कां०आ० ३३२९ दिनांक १९ नवम्बर, १९८१ में (निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना में "(संशोधित राज्य सरकारों द्वारा धारा १० की उपधारा (१) के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट)", शीर्षक के नीचे मद १३ के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् —

'डा० जोसेफ ज़ाचारियास  
निदेशक, बीमा चिकित्सा सेवाएँ,  
केरल सरकार त्रिवेन्द्रम-१४१'

[सं० यू०-१६०१२/४/८२-एच०आई०]

New Delhi, the 22nd February, 1982

**S.O. 987**—Whereas the State Government of Kerala has in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Dr. Poseph Zacharias, Director of Insurance Medical Services, Government of Kerala, Triavandrum to represent that State on the Medical Benefit Council in place of Dr M. I. George ;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No S.O. 3329, dated 19 November, 1981, namely :—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the State Governments concerned under clause (d) of sub-section (1) of Section 10]" for the entry against item 12, the following entry shall be substituted, namely :—

"Dr. Joseph Zacharias,  
Director of Insurance Medical Services,  
Government of Kerala,  
Triavandrum-14"

[No. U-16012/3/82-HI]

**का०आ० ९८८**—बिहार राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, १९४८ (१९४८ का ३४) की धारा १० की उपधारा (१) के खण्ड (घ) के अनुसरण में डा० एम० पी० वनजी के स्थान पर श्री जी० पी० वनजी, प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा योजना श्रम और रोजगार विभाग, बिहार सरकार, का चिकित्सा प्रमुख, परगढ़ में उस राज्य में प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है ,

अतः, अब केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, १९४८ (१९४८ का ३४) की धारा १० की उपधारा (१) के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० ३३२९ दिनांक १९ नवम्बर १९८१ में (निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना में "(संशोधित राज्य सरकारों द्वारा धारा १० की उपधारा (१) के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट)", शीर्षक के नीचे मद ६ के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् —

"श्री जी० पी० वनजी,  
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,  
कर्मचारी राज्य बीमा योजना  
श्रम और रोजगार विभाग,  
बिहार सरकार, पटना ।

[सं० यू०-१६०१२/४/८२-एच०आई०]

**S.O. 988**—Whereas the State Government of Bihar has, in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri D. P. Banerjee, Administrative Medical Officer, Employees State Insurance Scheme Patna to represent that

State on the Medical Benefit Council in place of Dr. A. P. Verma ,

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No S.O. 3329, dated 19 November, 1981, namely :—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the State Governments concerned under clause (d) of sub-section (1) of Section 10]" for the entry against item 6, the following entry shall be substituted, namely :—

Shri D. P. Banerjee,  
Administrative Medical Officer,  
Employees' State Insurance Scheme,  
Department of Labour and Employment,  
Government of Bihar, Patna "

[No. U-16012/4/82-HI]

**का०आ० ९८९**—उड़ीसा राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम १९४८ (१९४८ का ३४) की धारा १० की उपधारा (१) के खण्ड (घ) के अनुसरण में डा० एम० सी० वनजी के स्थान पर डा० एम० सी० वनजी, निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर की चिकित्सा प्रमुख, परगढ़ में राज्य में प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है

अतः, अब केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, १९४८ (१९४८ का ३४) की धारा १० की उपधारा (१) के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० ३३२९ दिनांक १९ नवम्बर, १९८१ में (निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना में "(संशोधित राज्य सरकारों द्वारा धारा १० की उपधारा (१) के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट)" शीर्षक के नीचे मद १७ के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात् —

'डा० एम० सी० वनजी  
निदेशक  
कर्मचारी राज्य बीमा योजना,  
उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर ।'

[सं० यू०-१६०१२/५/८२-एच०आई०]

ए० ए० भट्टराज अवत सचिव

**S.O. 989**—Whereas the State Government of Orissa has, in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Dr S. C. Banerjee, Director, Employees' State Insurance Scheme, Government of Orissa, Bhubaneswar to represent that State on the Medical Benefit Council in place of Dr. P. C. Rath ;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No S.O. 3329 dated 19 November, 1981, namely :—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the State Governments concerned under clause (d) of sub-section (1) of Section 10]" for the entry against item 17, the following entry shall be substituted, namely :—

"Dr. S. C. Banerjee,  
Director,  
Employees' State Insurance Scheme,  
Government of Orissa,  
Bhubaneswar."

[No. U-16012/5/82-HI]

A K BHATTARAJ Under Secy.

New Delhi, the 19th February, 1982

**S.O. 990.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhulanbararee Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bhulanbararee, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th February, 1982.

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) DHANBAD**

Reference No. 22 of 1980.

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

**PARTIES**

Employers in relation to the management of Bhulanbararee Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bhulanbararee, Dist Dhanbad and their workmen.

**APPEARANCES**

On behalf of the employers : Shri B. Joshi, Advocate

On behalf of the workmen : Shri H. N. Singh, Vice President, Koyala Ispat Mazdoor Panchayat, Dhanbad.

**STATE :** Bihar **INDUSTRY :** Coal.

Dhanbad, the 10th February, 1982

**AWARD**

This is a reference under S. 10 of the I. D. Act, 1947. The Central Government by its order No. 1-20012(8)/80-D. III(A) dated 6th September, 1980 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication on the following terms :

**SCHEDULE**

"Whether the demand of the workmen of Bhulanbararee colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post office Bhulanbararee, District Dhanbad that Shri Sona Bouri, Winding Engine Khalasi should be paid wages for the period from 18th January, 1979 to 19th March 1979 is justified? If, so to what relief the said workman entitled."

1. The concerned workman, Shri Sona Bouri was a khalasi as represented by Koyala Ispat Mazdoor Panchayat which has raised this dispute. On 18-1-1979 through letter No. BBC/79-1B/13 dated 18-1-1979 the concerned workman was ordered to work as coal cutting machine helper with the threat that if he did not attend to the job assigned to him, he will not be paid wages and the same should be treated as unauthorised absence. The workman's case is that the job of winding engine khalasi is on the surface and the nature of job of coal cutting machine helper is underground job. There are variations in the nature of the job and therefore the aforesaid order of the management means a change in service condition for which a notice was necessary under Section 9A of the I.D. Act 1947. No such notice was issued and so the aforesaid order is violated under law. Shri Sona Bouri was marked absent w.e.f. 15-1-79. The Koyala Ispat Mazdoor Panchayat protested against the illegal order of the management, and the management discovered their own mistake in issuing the letter dated 18-1-79. So vide their letter dated 2-2-1979 the concerned workman, Shri Sona Bouri was placed as winding engine khalasi on the surface as before. The concerned workman, however was not paid his wages for the period from 18-1-1979 to 19-3-1979 and the question in this reference is as to whether such an action on the part of the management is justified.

3. The management on the other hand has said that in the month of January, 1979 there was some technical defect in the winding engine fitted in 'C' Pit Bhulanbararee colliery as a result of which the engine could not be operated. This compelled the management to employment of the winding engine khalasis operating this engine in three shifts in some other alternative and gainful jobs. The concerned workman

Shri Sona Bouri was offered the job of C.C.M. helper in the same colliery and his two other colleagues who were given the job of switch board attendant and haulage khalasi. While the 2 other colleagues of Shri Sona Bouri duly complied with the order, Shri Sona Bouri refused to carry on the alternative job and remained absent. The management treated this absence as unauthorised. This winding engine was repaired and restarted on 20-3-79 when the concerned workman was ordered to join his duty on that same engine which he did. According to the management the concerned workman and his two other colleagues had represented against the order dated 18-1-79 and the management immediately replied to their representation pointing out that the arrangement was a temporary affair. But while the two other colleagues of the concerned workman understood the position and complied with the order, this concerned workman obstinately refused to carry out the order. According to the management the order dated 18-1-79 was in no manner intended to change the service condition of the concerned workman. In fact the job of C. C. M. helper is less arduous than the job of winding engine khalasi. The concerned workman was no doubt required to work underground, but he was to be paid underground allowance. Furthermore, there was no question of any loss in order to attract the provision of S. 25M of the I.D. Act, 1947.

4. The order dated 18-1-9 is Ext. W. 1. In this order Shri Sona Bouri the concerned workman and two others were directed to resume the duties at 15A Seam as C.C.M. helper with immediate effect. They were required to note that they would not be paid any wages for unauthorised absence. Then there is Ext. W. 2 dated 23-1-79. In this letter it was pointed out to Shri Sona Bouri that he was absenting from duty since 18-1-79 without any information and permission from the authorities concerned. He was ordered to explain this within 48 hours of the receipt of this letter failing which disciplinary action would be taken. The next document is Ext. W. 3 dated 2-3-79. This is a charge-sheet for unauthorised absence from 15-1-79. The charge was for offences misconduct under rule 21(1)-(n) and (e) of the standing orders. Ext. W. 4 is a notice of enquiry. Ext. W. 5 is a letter dated 20-3-79 issued to Shri Sona Bouri and 2 others directing them to report for their original duties as winding engine khalasi w.e.f. 20-3-79 as winding engine had restarted.

5. No oral evidence was adduced on behalf of the workman. The management has however examined Shri N.S. Tewari who was the Asstt. colliery manager in Bhulanbararee colliery. His evidence is that Shri Sona Bouri was working as general mazdoor on various types of jobs and later on as cleaning mazdoor, before his employment as winding engine khalasi. In his capacity as mazdoor he was required to work on the surface as well as underground on various types of jobs. He was capable and competent to do the job of coal cutting machine helper. The witness has further said that Shri Sona Bouri was working as winding engine khalasi on trial basis and he was not made permanent because he had not been able to obtain the necessary certificate. His evidence is that there is no question of malafide or victimisation on the part of the management. The witness has admitted in the cross-examination that although the charge-sheet was issued against the concerned workman for unauthorised absence the charge was later on dropped.

6. It will appear that the facts are more or less admitted in this case. The only question is whether the order of the management dated 18-1-79 to place the concerned workman as C.C.M. helper underground amounted to a change in service condition. The management has led evidence on this point that there was a temporary arrangement because the winding engine developed mechanical fault and was not able to operate. The concerned workman and his two other colleagues had to be placed in similar jobs in order to avoid lay off which they did. While his two other colleagues joined the alternative job given to them, the concerned workman refused to do the job and remained absent. Another aspect of the matter is that the concerned workman is not a permanent winding engine khalasi because he has not obtained the necessary certificate for such employment. He has known the job of winding engine khalasi on account of his previous experience of working on the machine both underground and on the surface. Evidence has been given that the job which he was required to do was similar nature and the only difference was that he was required to do underground job

for which underground allowance was payable to him. The management has therefore rightly said that there was no question of the change of the nature of job so as to require a notice under Section 9A. It is clear that the concerned workman was not correctly advised to remain absent from the duties assigned to him. The bona fide of the management could be seen from the fact that no sooner the winding engine was operational the concerned workman was put back to his original job and the disciplinary proceeding which was started was dropped. I, therefore, feel no adequate reason to hold that the absence of the concerned workman from duties was justifiable. In the circumstances of the case the management treated the period of his absence from duty as leave without wages, and so no payment was made to the concerned workman for that period.

7. Considering all aspect of the matter I hold that the demand of the workmen of Bhulanbararee colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post office Bhulanbararee, District Dhanbad that Shri Sona Bouri, winding engine khalasi should be paid wages for the period from 19th January, 1979 to 19th March, 1979 is not justified. Consequently, the concerned workman Shri Sona Bouri is not entitled to any relief.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer  
[No. L-20012/8/80-D.III(A)]  
A. V. S. SARMA, Desk Officer

New Delhi, the 19th February, 1982

**S.O. 991.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ranipur Colliery of Ranipur Sub-Area of M/s Eastern Coalfields Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-2-1982.

#### BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 80/80

#### PRESENT :

Shri J. N. Singh, Presiding Officer

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Ranipur Colliery of Ranipur Sub-Area of Eastern Coalfields Ltd., P. O. Dishergarh, Dist. Burdwan

AND

Their workmen

#### APPEARANCES :

For the Employers—

Shri J. N. Mishra, Senior Personnel Officer

For the Workman—

Shri S. Chakravorty, Vice-President of C.M.E.U.

INDUSTRIAL Coal STATE W. Bengal

#### AWARD

Dated, the 8th February, 1982

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/S 10(1)(d) of the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Calcutta for adjudication. Subsequently by Order No. S-11025(4)/80-D.IV(B) dated the 14th/17th November 1980 the dispute has been transferred to this Tribunal for adjudication.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Ranipur Colliery under Ranipur Sub-Area of Eastern Coalfields Ltd., P.O. Dishergarh, Dist. Burdwan in dismissing the services of Shri Aloke Roy, Pump Khalasi with effect from 6th January, 1978 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. The case of the workman is that he was served with a chargesheet and was also suspended and the charge against him was that he had illegally occupied the quarter of Shri Surendra Mahata, Electrician which had been allotted to him and he was directed by management's letter dated 25-7-77 to hand over the vacant possession of the said quarter illegally and without permission occupied by him, but he did not vacate the same and disobeyed the lawful order of his superior officer. This according to the management amounted to misconduct U/S 17(1)(c) of model Standing Order. The concerned workman gave a reply but a departmental proceeding was started against him and on report of the Enquiry Officer he was dismissed from service with effect from 6th January, 1978.

3. Besides challenging the propriety of the enquiry the further case of the workman is that the house in question was in possession of one Niranjana Sen, ex-employee of the colliery who died but his heirs did not hand over vacant possession of the said quarter to the management. It is further stated that Sunit Sen is the son of Niranjana Sen who died in harness and the concerned workman was asked to look after the belongings of Niranjana Sen kept in the house and as he had friendship with Sunit Sen he took temporary shelter in the said house. It is submitted that the concerned workman used to stay in the said quarter with the permission of the heirs of Niranjana Sen.

4. It is further stated that this quarter had previously been allotted to one Naran Laik. The management did not get possession of the same from the heirs of Niranjana Sen and so Naran Laik also could not get possession and thereafter it was allotted to one Surendra Mahata, Electrician without cancelling the allotment order in favour of Naran Laik. Thus the main defense of the concerned workman is that he occupied the quarter as a friend of the son of late Niranjana Sen and that he did not occupy it forcibly. It is also submitted that number of quarters of the management are in unauthorised occupation by several persons but no action have been taken against them and the action was taken against the concerned workman alone. It is also submitted that the chargesheet was illegal and the order of dismissal is void and inoperative and it is prayed that the concerned workman should be reinstated with full back wages.

5. The case of the management, however, is that the concerned workman illegally occupied the company's quarter allotted to one Surendra Mahata and in spite of repeated letters issued by the Manager of the Colliery the concerned workman refused to vacate the same and thereby he committed a gross misconduct U/S 17(1)(c) of the Model Standing Order. Accordingly chargesheet was drawn up against him and after holding a departmental enquiry he was dismissed from service as the charge of disobeying the order of superior officer was clearly proved. It is also stated that the enquiry was fair and proper and every opportunity was given to the concerned workman to defend himself but he did not come to contest the enquiry proceeding deliberately. It is further stated that in the show cause filed by the concerned workman he admitted to have taken possession of the quarter in question but now the plea has been taken that he was asked to look after the belongings of late Niranjana Sen and took temporary shelter of the quarter with permission of the son of Niranjana Sen is an after thought and fabricated story. It is further stated that the house in question was given possession to the management by the heirs of Niranjana Sen and thereafter the Housing Committee allotted the house to one Naran Laik according to rules, but as Sri Laik did not occupy the quarter within two months it was allotted to Sri Surendra Mahata. But in the meantime the concerned workman had illegally and forcibly occupied the quarter in question and he did not vacate the same in spite of several letters sent to him by the management. It is submitted that the charge of misconduct was well proved against the concerned workman and the order of



dismissal passed against him is legal and valid and in the circumstances the concerned workman is not entitled to any relief.

6 The point for consideration is as to whether the action of the management in dismissing Sri Aloke Roy concerned workman from service with effect from 6-1-1978 is justified. It is not, to what relief the concerned workman is entitled.

7 The preliminary issue as to whether the enquiry was fair and proper was initially taken up by this Court and after hearing the parties and considering the documents, it was held by order dated 12-6-1981 that the enquiry was just and proper.

8 Now the only question remains as to whether the order of dismissal is justified on merits. Ext. M 1 is the chargesheet dated 1-8-1977 issued against the concerned workman. It reads as follows:

"You illegally occupied the quarter of Sri Surendra Mahata, Electrician which has been allotted to him and you were directed vide this office letter No. W/77/c 2/12/143 dated 25-7-77 to hand over the vacant possession of the said quarter which has been illegally occupied by you without permission but you did not vacate the same yet. Thus you disobeyed the lawful order of your superior officer. You have thereby committed misconduct under order 17(1)(c) of Model Standing Order.

You are suspended herewith pending enquiry.

R. K. SRIVASTAVA, Manager  
1 8 77

The concerned workman gave a reply to the chargesheet which is Ext. M 2. In the reply it was stated that he had not been allotted any quarter although he had been approaching the management for it for a long time and that he also placed his troubles before the management several times but the management did not allot him any quarter, rather some junior employees have been allotted quarters and further several employees were forcibly occupying the quarters of the company but no steps were taken against them. It was further stated that Surendra Mahata is a local man and so priority should be given to the concerned workman in allotting the quarter. Lastly it is mentioned in the reply that this circumstance forced him to take shelter in the above said quarter.

9 Thus from the above reply it will appear that it was nowhere the case of the concerned workman that the quarter in question was still in possession of Nirajan Sen who died in harness or that Sumit Sen son of Nirajan Sen had asked him to look after his belongings and also permitted him to live in the quarter temporarily. In fact the reply would show that under the circumstances mentioned by him in the reply he was forced to take shelter in the quarter in question which meant that he had taken unauthorised occupation of the quarter in question. The Plea now taken in the written statement that he was residing in the quarter as a friend of the son of Nirajan Sen is thus clearly an after thought and has been developed during the course of this reference only to make out a new case which cannot be believed in view of the earlier reply given by the concerned workman. Ext. W-10 is the first letter dated 9-6-77 issued to the concerned workman by the management stating that as reported by Surendra Mahata, Electrician to whom the quarter had been allotted it was found that the concerned workman had occupied the quarter in question and therefore he was directed to hand over the same to Surendra Mahata immediately on receipt of this letter failing which necessary action will be taken against him. Ext. W-11 is the second letter dated 27-6-77 directing the concerned workman to vacate the quarter in question and informing him that in spite of the letter Ext. W-10 dated 9-6-77 he had not vacated the house and had disobeyed the order of the Manager and hence he must vacate the quarter within 48 hours of receipt of this letter failing which necessary action will be taken against him. The concerned workman did not vacate the quarter in spite of receipt of above two letters and so the last letter (Ext. W-12 dated 25-7-1977) was issued against him directing him to vacate the quarter within 48 hours. The mention of this letter is made in the charge sheet also.

1353 GI/81-6

10 Thus it will appear that three letters were issued by the Manager to the concerned workman directing him to vacate the quarter in question which had already been allotted to Surendra Mahata but still the same was not vacated.

11. On behalf of the workman a letter Ext. W-9 dated 11-5-77 has been filed saying that Amala Sen had also been directed to vacate the quarter which means that Amala Sen wife of Nirajan Sen is still residing in that quarter. But from the evidence of Sri R. K. Srivastava, M/W 2 who was the then Manager of Ranipui Colliery, it will appear that the widow of Nirajan Sen had handed over the key of the quarter to the management in his presence. There is nothing to disbelieve the evidence of the above witness who is a respectable officer and from the reply of the concerned workman to the chargesheet itself it will be clear that the concerned workman had admitted to have taken possession of the quarter in question and so Ext. W-9 is not relevant for the purpose of this case. Another document filed on behalf of the workman is a letter to Naran Laik dated 8-6-1976 allotting the quarter to him. But according to MW-2 when Naran Laik did not take possession within 2 months as per rules it was allotted to Surendra Mahata. So this letter is also not relevant.

12 The concerned workman however has examined himself and has come to state that he occupied the quarter in question as a friend of the son of Nirajan Sen. But this evidence of his is clearly an after thought as no such claim was made by him earlier. Further it cannot be disputed that the quarter in question belongs to the management and it had been allotted to one Surendra Mahata. Further it cannot be denied that the concerned workman was in illegal possession of the same even if he had got possession of it with the permission of the son of Nirajan Sen as the son of Nirajan Sen was not the authority to allow anybody else to live in the quarter belonging to the company. The Manager was the proper authority who wrote three letters Ext. W-10 to W-12 to the concerned workman directing him to vacate the quarter in question but he did not vacate the same. He thus disobeyed the lawful order of his superior officer which comes under the definition of misconduct under the Standing Orders, may be Model Standing Orders or the Standing order prevailing in this colliery prior to nationalisation.

13 It was however contended on behalf of the workman that for not vacating the quarter in question no chargesheet should have been issued, but the management should have taken steps under the Public Premises (Eviction of unauthorised occupants) Act 1971 under which the General Manager, Barachak House was appointed as Estate Officer under the said act and necessary steps vacating the house should be taken by him. In support of it the notification Ext. W-4 issued on 30-11-77 by the Ministry has been filed. But this Notification is of a subsequent date. Further the charge against the concerned workman was for disobeying the legal order of his superior officer which certainly comes under the misconduct. This misconduct was proved against the concerned workman during domestic enquiry in which sufficient evidence was adduced by the management to prove the charge. In fact from the record also it is clearly proved that the concerned workman had forcibly occupied the quarter in question and in spite of three letters issued by the Manager he did not vacate the same.

14 The charge of misconduct against the concerned workman is thus well proved.

15 The management however has taken the plea that the sponsoring union had no authority to raise the dispute, but this point was not pressed at the time of hearing. Further it will appear from the membership register and counterfoils receipts etc. that the concerned workman was member of this union and the concerned workman by Ext. W-6 requested the union to take up his case and the union by Ext. W-7 raised the dispute before the management. Ext. W-13 is the failure report Ext. W-3 is the dismissal order which was passed after approval from the higher authority Exts. M-11 and M-12.

15 Considering the evidence on record I hold that the charge of misconduct was well proved against the concerned workman for disobeying the lawful order of the superior officer.

16 The next question is as to whether the punishment of dismissal is justified or not. According to the evidence of the

management there is acute shortage of quarters and if the employees take recourse to the forcible occupation of the quarters of the management then there will be no discipline among the employees and the lawful persons will not be able to get any quarter which will amount to confusion and dissatisfaction in the industry. It was urged on behalf of the management that the punishment of dismissal was given only to maintain discipline in the industry so that other employees may not take forcible occupation of the management's quarters.

17. In such circumstances the punishment of dismissal of the concerned workman from service is justified so that the discipline may be maintained in the industry.

18. Considering the above, I hold that the action of the management in dismissing the concerned workman from service with effect from 6th January, 1978 is justified and the concerned workman is not entitled to any relief.

19. I give my award accordingly.

J. N. SINGH, Presiding Officer  
(No. L-19012(9)/78-D. IV(B))

प्रादेश

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1982

कां०आ० 992.—सिगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरी-खानी, के प्रबंधक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, जिसका प्रतिनिधित्व सिगरेनी कोलियरीज वर्कर्स यूनियन, गोदावरीखानी करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और उक्त नियोजकों और कर्मचारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (1) के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को माध्यस्थ के लिए निर्दिष्ट करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थ करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थ करार को, जो उसे 8-2-82 को मिला था, एतद्वारा प्रकाशित करती है।

(करार)

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन)

पक्षकारों के नाम

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले

कर्मचारों का प्रतिनिधित्व करने वाले

1. श्री पी० टी० थामस, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, महाप्रबंधक के प्रतिनिधि के रूप में, सिगरेनी कोलियरीज कम्पनी लि०, गोदावरी-खानी।

1. श्री मारिचेट्टी कोमागेश, सरफेम जनरल मजदूर, गोदावरीखानी नं० 7, इन्कालाइन।

2. श्री एम० भास्कर राव, मंत्री केन्द्रीय परिषद, एस०सी० वर्कर्स यूनियन, गोदावरीखानी।

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को श्री एम०आर० राजू उप श्रमायुक्त (केन्द्रीय), मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) के कार्यालय, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली के माध्यस्थ के लिए निर्दिष्ट करने का करार किया गया है।

1. विविध विवाद प्रस्तुत विषय

मैसर्स सिगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, रामागुडम, डिब्रोजन III के प्रबंधक गोदावरीखानी नं० 7, इन्कालाइन के सरफेम सेन्ट्रल मजदूर, श्री मारिचेट्टी कोमागेश को 9-11-81 से बर्खास्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है, यदि नहीं तो कर्मचारी किस अनुतोष के हकदार है।

2. विवाद के पक्षकारों का विवरण जिसमें संतुलित स्थापन या उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है।

3. (क) कर्मकार का नाम, यदि वह विवाद में स्वयं सम्मिलित है।

ख. यदि कोई संघ प्रश्नगत कर्मकार या कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करता हो तो उसका नाम।

4. प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मचारों की कुल संख्या

5. विवाद द्वारा प्रभावित या संभावित प्रभावित होने वाले वर्गों की संख्या।

हम यह भी करार करते हैं कि माध्यस्थ का विनिश्चय हम पर बाध्य कर होगा।

माध्यस्थ अपना पंचाट केन्द्रीय सरकार द्वारा राजपत्र में इस समझौते के प्रकाशन की तारीख से तीन मास की कालावधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय देगा। यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पंचाट नहीं किया जाना तो माध्यस्थ के लिए निर्देश स्वतः रद्द हो जायगा और हम तब माध्यस्थ के लिए बाध्य करने को स्वतंत्र होंगे।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले

कर्मचारों का प्रतिनिधित्व करने वाले कर्मकार

ड० (पी०टी० थामस)  
वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी

एल०टी०आर०  
मारिचेट्टी कोमागेश  
सरफेम जनरल मजदूर गोदावरीखानी नं० 7, इन्कालाइन।  
ड० (एम० भास्कर राव)  
सेन्ट्ररी, एस०सी० इन्ड्रू यूनियन, जी०डी०के०।

साक्षी :

1. श्री जे० कंकाड्या,  
सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय)  
हैदराबाद।

2. श्री बी० एल०एन० मूर्ति,  
स्टेनो, डी पी ओ कार्यालय,  
गोदावरीखानी।

एम०आर० राजू, माध्यस्थ  
उप मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय)  
नई दिल्ली

[संख्या एल-21013(1)/82-1.4बी]

एम०एम० मेहता, डेस्क अधिकारी

## ORDER

New Delhi, the 19th February, 1982

**S.O. 992.**—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani and their workmen represented by Singareni Collieries Workers' Union, Godavarikhani.

And Whereas, the said employers and their workmen have by a written agreement under sub-section (1) of section 10 A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration and have forwarded to the Central Government a copy of the said arbitration agreement:

Now Therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said agreement which was received by it on the 8-2-1982.

## AGREEMENT

(Under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947).

## BETWEEN

## NAMES OF THE PARTIES

Representing employer	Shri P. T. Thomas, Sr. Personnel Officer, Representing General Manager, Singareni Collieries Company Limited, GODAVARIKHANI.
Representing Workmen	Shri Marichetty Komaraish, Surface General Mazdoor, Godavarikhani No. 7 Incline. Shri M. Bhaskar Rao, Secretary, Central Council, S.C. Workers' Union, Godavarikhani.

'It is hereby agreed between the parties to refer the following dispute to the arbitration of Shri M. R. Raju, Deputy Chief Labour Commissioner (Central), Office of the Chief Labour Commissioner (Central), Shramsakti Bhavan, Rafi Marg, New Delhi.

- (i) Specific matters in dispute Whether the Management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-III is justified in dismissing Shri Marichetty Komaraish, Surface Central Mazdoor, Godavarikhani No. 7 Incline with effect from 9-11-1981, if not to what relief the employee is entitled ?
- (ii) Details of the parties to the Dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved.
- Shri P. T. Thomas, Sr. Personnel Officer, Representing General Manager, Singareni Collieries Company Ltd., Godavarikhani P.O. 505 209 Karimnagar District (A.P.).

- (iii) (a) Name of the workman in case he himself involved in the dispute of. Shri Marichetty Komaraish, C/o. K. Thirupathi Reddy, Advocate, Sultanabad, Karimnagar District Pin-505 185.  
(b) the name of the Union, if any, representing the workman or workmen in question. Shri M. Bhaskar Rao, Secretary, Central Council, S.C. Workers' Union, Godavarikhani-505 209 Karimnagar, District (A.P.).
- (iv) Total No. of workmen employed in the undertaking affected. 26,000 in Ramagundam Area.
- (v) Estimated No. of workmen affected of likely to be affected by the dispute. ONE

We further agree that the decision of the arbitrator shall be binding on us.

The arbitrator shall make his award within a period of THREE MONTHS from the date of publication of this agreement in the official Gazette by the Central Government or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case, the award is not made within the period of aforementioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

## Signature of The Parties

Representing employer:	Workman	Representing workman
Sd.		L.T.I.
(P.T.THOMAS)		
Sr. P. O. RG.		

(MARICHETTY KOMARAJAH  
Surface General Mazdoor,  
Godavarikhani No. 7 Incline.

Sd.

(M. BHASKAR RAO)  
Secretary, S.C.W.Union, Gdk.

Witnesses :

Sd.

Sd.

1. Shri J. Kankaian, A.L.C. (C.), Hyderabad. 2. Shri V. L. N. Murthy, Steno, DPO's Office, Gdk.

M. R. RAJU Arbitrator  
Deputy Chief Labour Commissioner,  
(Central), New Delhi.  
[No. L-21013(1)82-LIV. B.]]  
S. S. MEHTA, Desk Officer.

